आषाढ़ शुक्ल पक्ष -9, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 25 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
15 जुलाई 2024 सोमवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

अमरवाड़ा नतीजे के बाद मोहन मंत्रिमंडल का रूप-रंग बदलने की तैयारी

कमिटमेंट पूरा करने का सप्ताह शुरू कैबिनेट में बनाई जाएगी और जगह

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अमरवाडा उपचुनाव में जीत के बाद आज से शुरू नया सप्ताह मप्र के मोहन मंत्रिमंडल के लिये भी अहम हो गया है। इस सप्ताह मंत्रिमंडल में नये चेहरे के तौर पर कमलेश शाह की आमद की संभावना है इसके अलावा कुछ मंत्रियों के विभाग परिवर्तन और एक या दो चेहरों की 'अदलाबदली' के आसार भी बन गये हैं।

कुछ दिन पहले शामिल रामनिवास रावत को भी अभी विभग नहीं मिला है, माना जा रहा है कि यह सारा काम अब एक साथ होगा। यह कवायद 17 जुलाई के बाद सिरे चढने के आसार हैं क्योंकि तब तक राज्यपाल मप्र में नहीं हैं। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस से भाजपा में आने के लिये पार्टी ने रावत व शाह को महत्वपूर्ण ओहदे सौंपने का कमिटमेंट किया था। इसे पूरा करने का वक्त आ गया है। इसके अलावा लोकसभा चुनाव से पहले जातीय समीकरण साधने के लिए जिन विधायकों को मंत्री बनाया गया था, उनमें से कुछ को बड़े निगम-मंडल की कमान देने पर विचार चल रहा है। नई जिम्मेदारी के साथ उन्हें मंत्री का दर्जा भी दिया जाएगा। क्योंकि कैबिनेट में मंत्री पदों की संख्या सीमित है और दावेदार ज्यादा हैं। इसीलिये भाजपा के सीनियर विधायकों में से दो या तीन की मंत्रिमंडल में वापसी भी हो सकती है। मोहन यादव मंत्रिमंडल में अभी तीन पद अब भी खाली हैं। यानी शाह के साथ 2 और विधायकों को मंत्री बनाया जा सकता हैं।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज पर्यटन बोर्ड के संचालक मंडल और साधारण सभा की वार्षिक बैठक ली। आज वे कई अन्य सरकारी बैठकें भी कर रहे हैं।

मप्र के 5.50 लाख कर्मचारियों को होगा फायदा

ओल्ड पेंशन पर केंद्र ने बुलाई बैठक, आंध्र मॉडल लागू करने की तैयारी!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केंद्र सरकार आज नई पेंशन सिस्टम (एनपीएस) को वापस लेकर पुरानी पेंशन योजना(ओपीएस) लागू करने के संबंध में बड़ी बैठक कर रही है। वित्त मंत्रालय ने पुरानी पेंशन योजना आंदोलन से जुड़े सभी कर्मचारी संघों को दिल्ली बुलाया। बताया जाता है कि केंद्र सरकार नई पेंशन योजना वापस लेकर गारंटी पेंशन योजना (जीपीएस) का आंध्र प्रदेश मॉडल लागू करना चाहती है, जिसमें कर्मचारियों को अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलेगा परिवार पेंशन भी मिलेगी लेकिन महंगाई राहत का लाभ नहीं मिलेगा। हालांकि सभी एनपीएस धारक कर्मचारी केंद्र से पुरानी पेंशन योजना की मांग कर रहे हैं।गौरतलब है कि नई पेंशन स्कीम को विपक्ष ने चुनावी मुद्दा भी बनाया था और माना जाता है कि इससे केंद्र की भाजपा-एनडीए सरकार को सियासी मुश्किलों का भी सामना करना पड़ा।

कांग्रेसशासित राज्यों ने अपने स्तर पर पुरानी पेंशन स्कीम बहाल कर दी थी। दरअसल, कर्मचारी संघों की मांग पर केंद्र सरकार ने वर्ष 2023 में सोमनाथंन कमेटी का गठन किया था जिसने सभी राज्यों में कर्मचारियों से पुरानी पेंशन योजना एवं नई पेंशन योजना के संबंध में अभिमत लिया था। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट 4 माह पहले ही केंद्र सरकार को सौंप थी। सरकार ने अब नई सरकार बनने के बाद पुरानी पेंशन योजना की मांग को संज्ञान में लेकर कार्यवाही शुरू की है। इधर मप्र कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि केंद्र सरकार ने 05 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए नई पेंशन योजना एनपीएस लागू की, जो कर्मचारी हित में कतई नहीं है इसलिये एनपीएस धारक कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना ओपीएस लागू करने की मांग कर रहे हैं। इससे मप्र के साढे पांच लाख कर्मचारियों को फायदा होगा।

कई जिलों में तेज बारिश,भोपाल पर बादल मेहरबान

ट्रफ लाइन नीचे आई, बरसात का नया दौर लाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र के आसमान पर फिर बारिश के 3 सिस्टम ट्रफ, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव होने से तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। राजधानी पर ही कल से मानसून मेहरबान है और आज सुबह 5 बजे से भोपाल में जमकर बारिश शुरू हुई है। खंडवा और मुरैना में भी सुबह बारिश हुई। अभी तक मप्र में 10.2 इंच बारिश हो चुकी है, जो कोटे की कुल बारिश का 27 प्रतिशत है। मौसम विभाग का कहना है कि मानसून ट्रफ लाइन थो?ी नीचे आई है। अभी यह बीकानेर, लखनऊ से रांची होते ही बंगाल की तरफ जा रही है। एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन गुजरात के ऊपर है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस भी एक्टिव है। इन सिस्टम की वजह से अगले कुछ दिन तक तेज बारिश का दौर चलेगा। जैसे जैसे मानसून ट्रफ लाइन और नीचे आएगी, तेज बारिश कराएगी। मौसम विभाग ने आज धार, इंदौर, खरगोन, देवास, छिंदवाड़ा में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। गरज-चमक के साथ बिजली भी गिर सकती है। वहीं, रतलाम, मंदसौर, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, नर्मदापुरम, बालाघाट, मुरैना, श्योपुर, रायसेन के भीमबेटका, खंडवा में आंधी आ सकती है। दोपहर बाद नीमच, बैतूल, पांढुर्णा, नरसिंहपुर, टीकमगढ़ और छतरपुर में भी बारिश की संभावना है।

प्रदर्शन..

भोपाल। एनएसयूआई आज मप्र के नर्सिंग घोटाले और नीट धांधली के खिलाफ मैदान में है और मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ने की कोशिश कर रही है। पुलिस-प्रशासन ने किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। रेडक्रॉस अस्पताल के पास इन्हें रोकने बैरिकेडिंग कर दी गई है।

अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस हाइवे पर सड़क हादसा, छह मौत

अहमदाबाद। आज सुबह गुजरात के आणंद शहर के पास अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने खड़ी बस को टक्कर मार दी, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और छह से अधिक लोग घायल हो गए। दुर्घटना सुबह करीब 4.30 बजे आणंद जिले के चिखोदरा गांव के पास हुई, जब अहमदाबाद की ओर जा रही एक निजी लग्जरी बस का एक टायर फटने के बाद उसे सड़क किनारे खड़ा कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि जब टायर बदला जा रहा था, तो बस के यात्री उतर गए और उनमें से कुछ वाहन के सामने इंतजार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने बस को पीछे से टक्कर मार दी।

बार्डर खुलने के बाद किसान करेंगे दिल्ली कूच

नई दिल्ली एजेंसी। शंभू बार्डर खोलने के हाइकोर्ट के निर्देश के बाद किसानों के रूख पर नजरें हैं। आज संगरूर में खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डलेवाल की अगुवाई में गैर राजनीतिक किसान मोर्चे की बैठक हो रही है। माना जा रहा है कि किसानों की इन बैठकों में दिल्ली कूच को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट ने भी हरियाणा सरकार से अंबाला के पास शंभू बॉर्डर पर बैरिकेडिंग हटाने के लिए कहा है यहां किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं। सरकार ने उनके 'दिल्ली चलो' मार्च को रोक दिया था। किसानों ने एमएसपी समेत अन्य मांगों को लेकर फरवरी से पंजाब-हरियाणा बॉर्डर पर धरना देकर बैठे हैं। अब सवाल है कि क्या अब किसान दिल्ली कूच करेंगे?

अमेरिका में चुनाव हुआ धारदार, जगन्नाथ की वजह से बच गए ट्रंप

रूस बोला हम जानते थे हमला होगा

वाशिंगटन/ नई दिल्ली,एजेंसी।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के जोर पकडने के प्रारंभिक दौर में ही तगडे रिपब्लिकन उम्मीदवार व पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए जानलेवा हमले ने पूरे चुनाव कैंपेन को नया मुद्दा और नई दिशा दे दी है। उनका खून से सना चेहरा व हवा में मुट्ठियां भींचने का अंदाज चुनाव की दिशा भी बदल सकता है। इधर ट्रंप पर हुए हमले को लेकर इस्कॉन ने बड़ा बयान दिया है। इस्कॉन उपाध्यक्ष राधारमण दास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इस जानलेवा हमले में ट्रंप की जान दैवीय कृपा की वजह से बची है।क्योंकि ठीक 48 साल पहले ट्रंप जगन्नाथ रथयात्रा के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरे थे और आज जब दुनिया फिर जगन्नाथ रथयात्रा का जश्न मना रही है, तो कहा जा सकता कि भगवान जगन्नाथ ने उनकी जान बचाई है। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने 1976 में रथों के निर्माण के लिए मुफ्त में अपना ट्रेन यार्ड मुहैया कराकर इस्कॉन

भक्तों की रथयात्रा आयोजित करने में मदद की थी। तब न्यूयॉर्क सिटी में पहली जगन्नाथ रथ यात्रा 1976 में महज 30 साल के उभरते हुए रियल एस्टेट मुगल ट्रंप की मदद से शुरू हुई थी।

रूस बोला-हम जानते थे: वहीं ट्रंप पर हमले के कुछ घंटे बाद ही रूस ने इसके लिए बाइडन सरकार को जिम्मेदार ठहरा दिया। रूस का कहना है कि बाइडन सरकार ने ऐसा माहौल बना दिया है, दिमित्री पेसकोव ने कहा कि यह बाहर बैठे सभी समीक्षक जानते थे कि ट्रंप की जान को खतरा है।

ट्रेन में ठाणे के पास लगी आग

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई स्थित लोकमान्य तिलक टर्मिनस से गोरखपुर आ रही एक ट्रेन के डिब्बे में सोमवार सुबह आग लग गई। इस घटना में किसी यात्री के हताहत होने की खबर नहीं है। बताया गया है कि ठाणे जिले के पास यह आग ब्रेक बाईंडिंग की वजह से ट्रेन के एक पहिए में लगी थी। इस आग पर तुरंत ही काबू पा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि गोरखपुर जा रही इस ट्रेन को ठाणे जिले के ठाकुरली स्टेशन पर ही रोक लिया गया। इसके एस-8 कोच में आई गड़बड़ी को बाद में ठीक कर लिया गया। ठाकुरली स्टेशन लोकमान्य तिलक टर्मिनस से करीब 35 किलोमीटर की दूरी पर है। आग बुझाने के 20 मिनट बाद ही इस ट्रेन को आगे रवाना कर दिया गया।

भारत में डिजिटल भुगतान सात लाख करोड़ डॉलर होने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी।

बढ़ते खर्च और महंगाई को देखते हुए सरकार बजट में स्टैंडर्ड डिडक्शन को 50 हजार रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर सकती है।

परामर्श फर्म केपीएमजी का कहना है कि बजट में होम लोन ब्याज पर कर छूट बढ़ाने और पूंजीगत लाभ कर व्यवस्था को युक्तिसंगत बनाए जाने की उम्मीद है। केपीएमजी ने एक टिप्पणी में कहा, चिकित्सा खर्च, ईंधन लागत और समग्र महंगाई में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ऐसे में अधिक खर्च करने योग्य आय उपभोक्ताओं के हाथ में देने के लिए उम्मीद है कि नई कर व्यवस्था के तहत मूल कर छूट सीमा को तीन लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये किया जा सकता है।

मेट्रो एंकर | शोध का निष्कर्ष: बच्चों को भी दिमागी रूप से कर रहा कमजोर

अब वायु प्रदूषण भी इम्यून सिस्टम पर कर रहा वार

नई दिल्ली, एजेंसी।

तेजी से शहरों में बढ़ता वायु प्रदूषण शरीर में इम्यून सिस्टम को ही शरीर का दुश्मन बनाने लगा है। यह तथ्य एक ताजा अध्ययन से सामने आया है। इसमें पाया गया कि लंबे समय तक दूषित हवा में सांस लेने से ल्यूपस नामक रोग होने का खतरा बढ़ रहा है। ल्यूपस एक ऑटोइम्यून डिजीज है, जो शरीर के कई अंगों को प्रभावित करती है। यह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें शरीर को बीमारियों से बचाने वाला अपना इम्यून सिस्टम ही शरीर का दुश्मन बन जाता है। इस शोध के नतीजे जर्नल आर्थराइटिस एंड रूमेटोलॉजी में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं ने कहा है कि यह बीमारी स्किन, किडनी, ज्वाइंट्स, ब्लड सेल्स, दिमाग, दिल और फेफड़ों को प्रभावित करती है।

हालांकि ल्यूपस के लक्षण दूसरी बीमारियों से काफी मिलते-जुलते हैं, ऐसे में इसकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है। जिन लोगों में आनुवंशिक जोखिम अधिक था और जो वायु प्रदूषण के संपर्क में अधिक रहते हैं, उनमें ल्यूपस होने की आशंका सबसे अधिक होती है। वहीं दूसरी तरफ जिन लोगों में आनुवंशिक जोखिम कम है और जो वायु प्रदूषण के संपर्क में कम आते हैं उनमें इस बीमारी के होने की आशंका कम रहती है।

4 लाख लोगों पर 12 वर्षों तक अध्ययन

शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक द्वारा जुटाए 4,59,815 लोगों के स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़ों का विश्लेषण किया है। करीब 12 वर्षों तक अध्ययन करने पर 399 लोग ल्यूपस से पीड़ित पाए गए। अध्ययन में प्रदूषण के महीन कणों पीएम 2.5, पीएम 10, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और नाइट्रिक ऑक्साइड जैसे प्रदूषकों के स्तर को भी मापा गया है। इनके स्तर का अनुमान लगाने के लिए शोधकर्ताओं ने विशेष गणितीय मॉडल का उपयोग किया है। इस मॉडल की मदद से यह भी जानने का प्रयास किया गया है कि क्या ये वायु प्रदूषक ल्यूपस के विकास से जुड़े थे। एक अन्य शोध अध्ययन के नतीजे दर्शाते हैं कि अजन्मों के गर्भावस्था में वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से आगे चलकर किशोरावस्था में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

नियमों पर जोर देना समय की जरूरत

चीन के हुआझोंग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और अध्ययन से जुड़े प्रमुख शोधकर्ता योहुआ तियान के अनुसार हमारा यह शोध कार्य इस बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देता है कि वायु प्रदूषण किस प्रकार स्वप्रतिरक्षी रोगों को प्रभावित करता है। अध्ययन के निष्कर्ष वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कड़े नियमों को बनाने पर जोर देते हैं ताकि ल्यूपस के जोखिम को सीमित किया जा सके।

एजेंट,यातायात सलाहाकर समिति व आरटीओ के बीच वॉर का नजारा

मनमानी के आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रभारी आरटीओ जितेंद्र शर्मा के भोपाल में कामकाज संभालते ही उनके खिलाफ कुछ लोगों ने मोर्चा खोल दिया है। इसमें यातायात सलाहकार समिति के कुछ पदाधिकारी व एजेंट शामिल है जो आरोप लगा रहे हैं कि शर्मा के आते ही वाहन मालिकों को परेशान किया जा रहा है, जिन वाहन मालिकों को आरटीओ कार्यालय आने की छूट है और वे अपने प्रतिनिधियों के जरिए काम करवा सकते हैं उन्हें भी आरटीओ कार्यालय बुलवाया जा रहा है। यह सब तब किया जा रहा है जब पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन पर शिफ्ट हो गई है। इसकी वजह से राजस्व का

नुकसान हो रहा है, सरकार की छवि भी धूमिल हो रही है।

इन आरोपों पर प्रभारी आरटीओ जितेंद्र शर्मा पीछे नहीं हट रहे हैं बल्कि कड़ाई से मुकाबला करते हुए पूरी व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में काम करने का दावा कर रहे हैं। उनका कहना है कि वह नियमों के अनुसार काम करने को कह रहे हैं, इसके अलावा और कुछ भी नहीं कह रहे हैं, तब भी उनके उुपर मनगढ़ंत आरोप लगाए जा रहे हैं। पहले तक जो होता था वह अब नहीं चलेगा, नियमों का पालन तो करना ही पड़ेगा।

उल्लेखनीय है कि आरटीओ कार्यालय ट्रांसपोर्ट नगर में शिफ्ट हो गया है, यहां पूरी सुविधा है। हाल ही में संजय तिवारी सेवानिवृत्त हुए हैं, उनकी जगह जितेंद्र शर्मा को प्रभार दिया हैं, वे ज्यादातर भोपाल में ही बैठते हैं, उनके पास एक अन्य जिले का भी प्रभार है। जब से प्रभारी आरटीओ ने कामकाज संभाला है, तब से आम लोगों का कहना है कि काम में मामूली तेजी आई तो कुछ कामों में एजेंटों की मनमानियां और अफसरों का अनसुनापन खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है।

परिवहन मंत्री से शिकायत: यातायात सलाहकार समिति की ओर से बीते दिनों परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह से शिकायत की है। जिसमें प्रभारी आरटीओ जितेंद्र शर्मा को हटाने की मांग की है।

झमाझम बारिश..

शहर में लगातार बारिश का दौर रविवार रात से जारी है और सुबह रुक रुक कर बारिश होती रही।

प्रश्नपत्र का पैटर्न व अंक योजना में हुआ बदलाव

9 वीं के छात्रों को गणित में मिलेंगे दो विकल्प, 10वीं में काम आएंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिम) ने सत्र 2024-25 के नौवीं से 12वीं तक की परीक्षा के लिए सभी विषयों के प्रश्नपत्रों का पैटर्न और अंक योजना जारी की है। इस सत्र से छात्रों को नौवीं में गणित के दो विकल्प बेसिक व स्टैंडर्ड के मिलेंगे। वहीं अगले सत्र से इस व्यवस्था को 10 वीं में गणित विषय में भी शुरू किया जाएगा। नौवीं में गणित में दोनों प्रश्नपत्र 75 व 25 के होंगे। दोनों प्रश्नपत्रों का कठिनाई का स्तर अलग-अलग होगा। इसमें 30 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे, इसके अलावा दो अंक, तीन अंक और चार अंक के प्रश्न होंगे। जब विद्यार्थी अगले सत्र में 10 वीं कक्षा में पहुंचेंगे तो उन्हें बेसिक और स्टैंडर्ड की जानकारी होगी और वे उस पैटर्न से भलीभांति परिचित होंगे। क्योंकि व्यवस्था 10 वीं कक्षा में भी लागू होगी। इस सत्र में नौवीं व 11 वीं में सभी विषय के सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 75 अंक और प्रोजेक्ट कार्य 25 अंकों के होंगे। वहीं 11वीं व 12 वीं में नान प्रैक्टिकल के विषय के सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 80 अंक और प्रोजेक्ट कार्य 20 अंकों के होंगे। वहीं प्रैक्टिकल वाले विषय के सैद्धांतिक पेपर 70 अंक और प्रैक्टिकल 30 अंकों के होंगे। सभी विद्यार्थियों को सभी विषयों के प्रश्न पत्र हल करने के लिए तीन घंटे का समय मिलेगा। माशिम ने नौवीं में गणित के बेसिक और स्टैंडर्ड की अंक योजना एक जैसी रखी है। जो पैटर्न बेसिक गणित वाले विद्यार्थियों की परीक्षा पर लागू होगा, वैसा ही स्टैंडर्ड गणित के विद्यार्थियों पर भी लागू होगा। प्रोजेक्ट वर्क के लिए भी दोनों गणित के एक ही विषय दिए गए हैं। पाठ्यक्रम में बदलाव किया गया है।

माशिम ने जो नौवीं से 12वीं तक के सभी विषयों की अंक योजना जारी की है, उसमें यह बताया गया है कि किस चैप्टर के कितने अंक होंगे। किस चैप्टर से कितने अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे, यह जानकारी नहीं दी गई है। इससे विद्यार्थियों को पूरे चैप्टर की तैयारी करनी होगी।

बेसिक व स्टैंडर्ड गणित मेंप्रोजेक्ट के विषय

- त्रिभुज का क्षेत्रफल ज्ञात करने के लिए हीरोन का सूत्र स्थापित करें।
- गणित की पुस्तक की लंबाई,चौड़ाई और ऊंचाई नापकर संपूर्ण पृष्ठीय क्षेत्रफल एवं आयतन ज्ञात कीजिए।
- दैनिक जीवन में ज्यामितीय अनुप्रयोगों को समझाइए।
- तीन गणितज्ञों का जीवन परिचय एवं उनकी उपलब्धियों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
- मोहल्ले के 12 परिवारों के सदस्य संख्या का सर्वे करना और उन्होंने कहां शिक्षा प्राप्त की इसके आंकड़ें एकत्रित करना।

नौवीं व 10वीं के सभी विषयों की अंक योजना

■ सैद्धांतिक प्रश्नपत्र-75 अंक(अंक योजना) ■ प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक-30 वस्तुनिष्ठ प्रश्न एक-एक अंक के पूछे जाएंगे। ■ प्रश्न क्रमांक-1-सही विकल्प(छह अंक) ■ प्रश्न क्रमांक-2-रिक्त स्थान(छह अंक) ■ प्रश्न क्रमांक-3-सत्य असत्य(छह अंक) ■ प्रश्न क्रमांक-4-सही जोड़ी-(छह अंक)■ प्रश्न क्रमांक-5-एक वाक्य में उत्तर(छह अंक)■ प्रश्न क्रमांक- 6 से 17-12 प्रश्न(दो-दो अंक) ■ प्रश्न क्रमांक-18 से 20-तीन प्रश्न(तीन-तीन अंक) ■ प्रश्न क्रमांक-21 से 23-तीन प्रश्न(चार-चार अंक) ■ प्रोजेक्ट कार्य(अंक योजना)-25 अंक ■ तिमाही परीक्षा -पांच अंक ■ छमाही परीक्षा -पांच अंक ■ प्रोजेक्ट कार्य -15 अंक (चार प्रोजेक्ट तीन अंक प्रति प्रोजेक्ट के) (अभ्यास पुस्तिका-तीन अंक)

ऑटोमैटेड फिटनेस स्टेशन की शुरुआत

अब वाहनों की फिटनेस में खेला की गुंजाइश खत्म, मशीन करेगी जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आज से राजधानी में वाहनों के फिटनेस सिस्टम में बदलाव हो गया है। अब तक जो जांच फिटनेस कैमरे से फोटो खींचकर की जाती थी, वह सेंसर से की जाएगी। यानी मशीनों से जांच कर वाहनों को फिटनेस सर्टिफिकेट दिया जाएगा। आज से शहर का पहला निजी ऑटोमैटिक टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) काम करना शुरू कर रहा है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी आरटीओ ने फिटनेस कैमरे को तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश जारी किए हैं। बताया जा रहा है कि हर एक टेस्ट में मशीन 10 से 15 मिनट लेगी, जिसमें मैनुअल सिस्टम पूरी तरह से खत्म हो जाएगा। बता दे। अभी आरटीओ भोपाल में रोजाना औसतन 150 से 300 तक गा?यों की फिटनेस की जांच की जाती है।

इस मशीन के लिए तीन तरह के फ्लोर बनाए गए हैं। इसमें टू-व्हीलर, कार और हेवी कमर्शियल व्हीकल शामिल हैं। इसमें सिर्फ गा?ी ख?ी करनी होगी। जिसके बाद यह ऑटोमैटिकली गा?ी के इंजन से लेकर सभी कलपुर्जे की जांच कर लेगी। इसमें मुख्य रूप से पॉल्यूशन, स्पीडो मीटर, नॉइज लेवल मीटर, साइड स्लिप बेंच, ब्रेक टेस्ट, सस्पेंशन टेस्ट, इंजन टेस्ट शामिल हैं। बताया जा रहा है कि यह मशीन जर्मनी की टेक्नोलॉजी है।

अब तक प्रदेश के परिवहन विभाग में फिटनेस का काम कैमरे से किया जा रहा है। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय व जिला परिवहन कार्यालय में संचालित फिटनेस सेंटर के कैमरे के सामने वाहन को ख?ा किया जाता है, और फोटो खींचने के बाद सर्टिफिकेट जारी हो जाता है। वाहन का इंजन, ब्रेक, बॉडी, टायर, हेडलाइट, स्टेयरिंग सहित अन कलपुर्जे काम रहे हैं या नहीं, यह जांचने की कोई व्यवस्था नहीं है। इस कारण अनफिट वाहन स?कों पर दौ?ते हैं। अन फिट वाहन दुर्घटना का कारण बनते हैं।

कंडम होने से बचेंगे वाहन: बताया जाता है कि केंद्र सरकार की मोटरयान नीति की स्क्रैप पॉलिसी में इस नए फिटनेस सेंटर की भूमिका अहम होगी। इस पॉलिसी के तहत 15 से 20 साल पूरी कर चुके निजी वाहनों का पुन-पंजीकरण फिटनेस के आधार पर बढ़ाने का प्रावधान है। यदि वाहन की हालत बेहतर है तो निजी वाहनों को कंडम होने से बचाया जा सकता है। दरअसल फिटनेस का मैनुअली सर्टिफिकेट तो जुगाड़ से लिया जा सकता है लेकिन मशीनों से फिटनेस चेक करने पर गड़बड़ी नहीं हो पाएगी। आरटीओ जितेंद्र शर्मा का कहना है कि अब ऑटोमैटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) से वाहनों की फिटनेस की जांच होगी।

कठिन समय की चुनौती को स्वीकार करो:लालसाईंजी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

व्यक्ति व्यर्थ ही चिंता और तनाव में रहता है जबकि अगर वो जीवन में आए हुए कठिन समय में भी होशपूर्वक देखें तो पाएगा कि परमात्मा ने उसके जीवन में जो कठिन समय दिया है वो बड़ी विडंबना या समस्या नहीं है अपितु वह तो एक अवसर हो सकता है। बस उस कठिन समय को एक चुनौती की तरह स्वीकार कीजिए। नज़रिया बदलते ही जीवन बदल जाएगा।

यह बात टैंपल ऑफ संबोधि में वेदांत संत लालसाईंजी ने कही। वह सम्बोधि में आषाढ़ गुप्त नवरात्र की अष्टमी पर विशेष ध्यान और माइंडफुल ब्रीदिंग समापन अवसर पर बोल रहे थे।

साईंजी ने एक कहानी से अपनी बात को समझाते हुए कहा कि एक परमात्मा को मानने वाला सर्द रात में जंगल के रास्ते जा रहा था अंधेरा था तो वो एक खाई में गिर गया था जैसे ही वो गिरा उसने हाथ पाँव चलाए है तो उसके हाथ में पेड़ की टहनी आ गई जिस को उसने ज़ोर से पकड़ लिया लेकिन सर्द रातों में उसके हाथ की पकड़ धीरे धीरे छूट रही थी । उसको डर था कहीं

उसका हाथ छूट गया तो वो गहरी खाई में गिर जाएगा वो चिल्लाता रहा रोता रहा पर वहाँ कोई नहीं था सुनने को अंततः उसका हाथ छूट गया और जैसे ही वो गिरा ज़ोर से हँसने लगा क्योंकि वो खाई नहीं थी छोटा सा गड्ढा था वह सोचने लगा कि जिसको मैंने इतनी बड़ी समस्या समझी वो दरअसल समस्या नहीं थी । आप जीवन में जब गहरे से देखेंगे तो पाएंगे ईश्वर ने आपको यहाँ दुख देने के लिए नहीं रखा है । कठिन समय को समस्या नहीं अगर चुनौती मान लिया तो जीवन निखर जाएगा, अगर समस्या समझा तो जीवन बिखर जाएगा।

माइंडफुल ब्रीदिंग के 10 दिवसीय शिविर का समापन भी हुआ। यह शिविर 05 जुलाई से शुरू हुआ था, जिसमें संतनगर और भोपाल के महिला और पुरुषों ने बड़ चढ़कर भाग लिया , जहाँ एक ओर महिलाओं को प्रशिक्षण डॉक्टर सरिता देवनानी द्वारा दिया गया , वहीं पुरुषों को सुबह की अलग क्लास में वेदांत संत लाल जी महाराज ने ब्रीदिंग की बारीकियां समझाई।

सिंधु भवन ट्रस्ट ने 225 बच्चों को बांटी शिक्षण सामग्री

जस्टिस ममतानी ने सराहना की

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधु भवन ट्रस्ट ने 225 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को कापी-किताबों को वितरण किया। कार्यक्रम के अतिथि मानव अधिकार आयोग के जस्टिस मनोहर ममतानी ने ट्रस्ट के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा, यह कार्य संविधान में शिक्षा के अधिकार से जुड़ा है। पीढ़ी को शिक्षित करने के लिए किया जाने वाला हर कार्य पुण्य होता है।

कार्यक्रम की शुरूआत परंपरात तरीके से हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता किशोर तनवानी अध्यक्ष सिंधी सेंट्रल पंचायत एवं ट्रस्ट के पदाधिकारी राजेन्द्र मनवानी ने की। ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेन्द्र मनवानी ने कहा कि यह सब ईश्वर के कार्य है

हम सिर्फ साधन मात्र है और हमें कार्य करना है। शिक्षा जिंदगी का अहम् हिस्सा है एवं जरूरी है जिसके होने से अपना जीवन सफल कर परिवार, समाज, प्रदेश एवं देश का नाम ऊंचा कर सकते हैं।

मनोज गोलानी उपाध्यक्ष ने विद्यार्थियों से कहा कि उन्हें पढ़ाई कर उच्च स्थान हांसिल करने का मौका मिला है इसको गंवाए नहीं और पढ़ लिखकर आगे बढ़े और किसी पर भी आश्रित न रहें। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष डॉ सी पी देवानी, तुलसी नेनवानी, ट्रस्टी डी.डी. मेघानी, महिला समाज से रीमा माखिजा ने अपने विचार रखे। 1000 कापियों का वितरण प्रकाश कानूगा परिवार द्वारा किया गया।

मेट्रो एंकर

नवरात्रि की तरह 16 जुलाई से 40 दिन तक सख्त नियमों का पालन

दुनिया में खुशहाली के लिए कल से सिंधी समाज करेगा व्रत साधना

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी बाहुल संतनगर समेत राजधानी में रहने वाला सिंधी समाज जल देवता की पूजा अर्चन का पर्व श्रीझूलेलाल चालीहा मनाएगा। पर्व की शुरूआत 16 जुलाई को होगी, जो 24 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कठोर व्रत साधना कर समाज के लिए दुनिया की खुशहाली और मानव कल्याण के लिए व्रत रखेंगे और पल्लव करेंगे। छेज कर पर्व का उत्सवी बनाएंगे।

श्री झूलेलाल चालीहा साहिब मंदिर समिति, संतनगर में मप्र सिंधी साहित्य अकादमी के सहयोग से 'चालीहा साहिब' का आयोजन करेगी। 16 जुलाई को सुबह 9 बजे झूलेलाल चालीहा साहब मंदिर, न्यू बी-10 में पर्व की शुरूआत होगी। इसदिन समिति के संस्थापक श्री साबूमल रीझवानी जन्म दिन मनाया जाएगा, हास्य कलाकार परमानंद प्यासी रीझवानीजी को लोक गीत, संगीत, भजन के माध्यम से भावांजलि अर्पित करेंगे। चालीहा की शुरूआत बहिराणा साहिब की जोत प्रज्वलित के साथ होगी। परंपरागत तरीके से कार्यक्रम होंगे। मंदिर में चालीहा के 40 दिन सुबह 8.00 बजे और शाम 7.30 बजे आरती होगी।

गिरी साहिब के प्रवचन होंगे

संतनगर के एच वार्ड स्थित झूलेलाल मंदिर के अध्यक्ष पुरषोत्तम हरचंदानी ने बताया कि 16 जुलाई को परंपरागत तरीके से पर्व मनाया जाएगा। चालीहा में संत लखमी गिरी साहिब और साईं बंटी गिरी साहिब के प्रवचन होंगे। साई लालनदास चकरवाड़ा को भी आएंगे। 40 दिन में कम से कम 20 दिन बहिराणा साहिब की स्थापना होगी। बाद में उन्हें विसर्जित किया जाएगा। मंदिर से चालीस दिन विशेष प्रसादी का वितरण होगा।

लालसाईंजी करेंगे ध्वजारोहण

झूलेलाल कल्याण मंडल सेवा समिति, बर्तन मार्केट मेन रोड पर चालीहा की शुरूआत 16 जुलाई को सुबह 09 बजे हवन के साथ होगी। सुबह 10 बजे लालसाईंजी द्वारा ध्वाजारोहण किया जाएगा। सुबह 10.15 बजे बहिराणा साहिब की जोत प्रज्वलित होगी, 11 बजे भगवान झूलेलालजी की आरती होगी। समिति द्वारा चालीहा के दौरान भजन कीर्तन एवं भंडारे का आयोजन होगा।

प्राचीन मंदिर में आयोजन : प्राचीन झूलेलाल मंदिर बैरागढ़ थाने के सामने भी चालीहा उत्सव मनाया जाएगा। माधु चांदवानी ने बताया कि पर्व की शुरूआत 16 जुलाई को होगी। छेज, पल्लव सुखो सेसा के आयोजन होंगे।

40 दिन साधना के साथ पौधारोपण भी

इसरानी मार्केट राजावीर विक्रमादित्य मंदिर में 16 जुलाई को बहिराणा साहिब की स्थापना के साथ चालीहा की शुरूआत होगी। इस बार मंदिर कमेटी पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए चालीहा के हर दिन एक यानी 40 पौधे रोपेगी। हर थारू दिवस यानी शुक्रवार को मंदिर में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को भोजन प्रसादी वितरित की जाएगी। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष लखवू अंदानी ने बताया कि चालीहा पर्व की तैयारियां जोरशोर से चल रही हैं। भगवान से चालीहा पर्व निर्विघ्न संपन्न कराने की काना की गई है। 40 दिन तक रोज एक पौधा श्रद्धालु मंदिर परिसर या अपने मोहल्ले के किसी बगीचे अथवा अन्य स्थान पर लगाएंगे। फोटो खींच कर वह कमेटी को भेजेंगे। बाद में पौधरोपण किए जाने के चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाए जाएगी, ताकि अन्य लोग भी प्रेरित होकर पौधे रोपें।

भोपाल के लहारपुर समेत सीहोर मंदसौर और देवास में 3-3 नगर वन की मंजूरी

शहरों का मौसम सुधारने 29 करोड़ से बनेंगे 17 जिलों में नगर वन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र के 17 जिलों में 29 नगर वन बनाने के लिए हाल में केंद्र सरकार ने 29 करोड़ 28 लाख रूपये की मंजूरी दी है। ?पहली किश्त में 20 करोड़ से अधिक की राशि भी जारी कर दी गई है। अब यह नगर वन राष्ट्रीय प्रतिपूरक बनारोपण निधि प्रबंधन एवं योजना के अंतर्गत बनाए जाएंगे। नगर वन को मूर्त रूप देने की जिम्मेदारी ग्रीन इंडिया मिशन के पास है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं मौजूदा कृषि कल्याण मंत्री शिवराज सिंह के गृह जिले सीहोर 50-50 हेक्टेयर के तीन नगर वन मनाया जाना प्रस्तावित है। जबकि राजधानी भोपाल के लाहरपुर में दो करो? की लागत से 50 हेक्टयर में नगर वन बनाया जाना प्रस्तावित है। इस तरह के नगर वन को शहरी क्षेत्र में विकसित करने का मकसद वन और पर्यावरण के प्रति आमलोगों को जागरूक बनाना व पर्यावरण सुधार है।

नगर वन में जॉगिंग ट्रैक व झरने भी

बताया जाता है कि इन नगर वन में वॉकिंग व जॉगिंग ट्रैक बनाया जाएगा। योग के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाएगा, जिस पर कारपेट ग्रास लगाई जाएगी। लोगों को पेड़, पौधों व वन्यप्राणियों के बारे में जानकारी देने के लिए व्याखानमाला बनाई जाएगी। यहां छोटा झरना व छोटे-छोटे सॉसर बनाए जाएंगे, जिसमें कमल व अन्य जलीय वनस्पति लगाई जाएंगी। वहीं बच्चों के लिए चिल्ड्रन पार्क भी होगा। इन्हें वित्तीय वर्ष 2024-25 में ही पूरा करने का लक्ष्य है। सूत्रों का कहना है कि नगर वन के लिए स्थान का भी चयन कर लिया गया है। इन स्वीकृत 29 नगर वन परियोजनाओं में सीहोर के तीन सीहोर वन मंडल के रिजर्व फॉरेस्ट के कंपार्टमेंट 634-635 में 50 हैक्टयर, प्रोटेक्शन फॉरेस्ट के कंपार्टमेंट 645 के बीट खटपुरा में 50 हैक्टयर और तीसरा नगर वन रिजर्व फॉरेस्ट के कंपार्टमेंट 26 के कोनझिर में भी हैक्टयर 50 हेक्टेयर क्षेत्र में नगर वन बनेगा। इसी प्रकार देवास और मंदसौर में भी तीन-तीन नगर वन बनाए जाएंगे। सोनकक्ष में 2 करोड़ की लागत से 50 हेक्टयर के अलावा देवास के ग्रीन बेल्ट में 60 लाख खर्च कर 15 हेक्टेयर में नगर वन बनाया जाएगा।

इनका कहना है

बढ़ती आबादी और क्लाइमेट चेंज के असर को कम करने के लिए तैयार किए नगर वन शहरों के लिए ऑक्सीजन बैंक का काम करेंगे। इसमें ज्यादा से ज्यादा ऑक्सीजन देने वाले पौधे रौंपे जाएंगे। पौधों और जैव विविधता के बारे में जागरूकता पैदा करना तथा पर्यावरण संरक्षण का विकास करने की मंशा से नगर वन बनाया जा रहा है।
– **पुरुषोत्तम धीमान,** एपीसीसीएफ ग्रीन इंडिया मिशन

मुख्यमंत्री के गृह जिले में 2 नगर वन

मुख्यमंत्री मोहन यादव के गृह जिले उज्जैन के लिए चार हेक्टेयर से भी कम क्षेत्र में नगर वन स्वीकृत किया गया। इसमें महिदपुर में 3-30 हेक्टयर और मकरोन में दो हेक्टेयर में नगर वन बनाया जाना प्रस्तावित है, वन मंत्री नागर सिंह चौहान के गृह जिला अलीराजपुर और पूर्व वन मंत्री एवं आदिम जाति कल्याण मंत्री विजय शाह के गृह जिले में एक भी नगर वन स्वीकृत नहीं किया गया है। इनके अलावा बालाघाट में 2, भिंड 2,इंदौर 2, शिवपुरी 2,सागर 2 तथा सिवनी, बैतूल, पन्ना, रतलाम, आगर में भी एक एक नगर वन बनेगा।

जीत गए हम...

भोपाल। 24 घंटे की अवधि में सर्वाधिक वृक्ष लगाने का रिकॉर्ड मध्य प्रदेश शासन के नाम बना। यह पौधे कल इंदौर में रोपे गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मंत्री कैलाश विजयवर्गीयप गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रमाणपत्र के साथ।

इंजीनियर्स की भर्ती व पदोन्नति के नियमों में 9 साल बाद हुआ बदलाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नगरीय निकायों में पदस्थ इंजीनियरों की भर्ती और प्रमोशन को लेकर राज्य सरकार नेअब नियमों में संशोधन किया है। यह नौ साल बाद हुआ है। इसमें तय किया है कि कार्यपालन यंत्री और उससे बड़े कैडर के इंजीनियरों के पद सिर्फ प्रमोशन से ही भरे जाएंगे। जबकि असिस्टेंट इंजीनियर 50 फीसदी पद प्रमोशन और इतने ही सीधी भर्ती से भरे जा सकेंगे। नियमों में यह भी तय किया है कि सब इंजीनियर के सिविल के सिर्फ 5 फीसदी पद प्रमोशन से भरेंगे। इसके अलावा सभी पदों पर सीधी भर्ती से ही नियुक्ति दी जाएगी। इस संबंध में राज्य नगरीय यांत्रिकी सेवा (भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम 2015 में संशोधन में कहा गया है कि सहायक यंत्री (सिविल, विद्यत और मैकेनिकल) तथा उप यंत्री (सिविल, विद्युत और मैकेनिकल) के अलग-अलग पदों के लिए अलग-अलग पदों के आधार पर सूची तैयार की जाएगी। इसके आधार पर जिस कैडर में रिक्ति होगी, उसी में वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति की पदक्रम सूची बनाई जाएगी। मसलन अगर सहायक यंत्री सिविल के पद पर पदोन्नति दी जानी है तो उपयंत्री सिविल कैडर के ही सब इंजीनियरों की सूची तैयार होगी। इसी तरह की स्थिति विद्युत और मैकेनिकल के मामले में भी रहेगी। इसके विपरीत कार्यपालन यंत्री के पद पर पदोन्नति के लिए सिविल, विद्युत, मैकेनिकल के सहायक यंत्रियों की

संयुक्त सीनियरिटी लिस्ट तैयार होगी और इसके आधार पर पदोन्नति दी जाएगी।

पदोन्नति के लिए फॉर्मूला

प्रमुख अभियंता का एक पद सौ फीसदी प्रमोशन से भरेगा।मुख्य अभियंता के पांच पद 100 प्रतिशत प्रमोशन से भरेंगे। अधीक्षण यंत्री के 24 पद 100 फीसदी प्रमोशन से भरे जाएंगे। कार्यपालन यंत्री के 50 पद 100 प्रतिशत पदोन्नति से भरे जाएंगे। सहायक यंत्री सिविल के 142 पदों में से 50 प्रतिशत सीधी भर्ती और 50 प्रतिशत पदोन्नति से भरेंगे।सहायक यंत्री इलेक्ट्रिकल के 13 पद और सहायक यंत्री मैकेनिकल के तीन पद भी भरे जाएंगे।

एमपी टूरिज्म बोर्ड का सिनेमा हॉल निर्माण को बढ़ावा देने का प्रयास

सिनेमा हॉल में निवेशकों को मिलेगा 75 लाख रुपए तक अनुदान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में सिनेमा के उन्नयन और फिल्म देखने के अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एमपी टूरिज्म बोर्ड द्वारा बनाई गई फिल्म पर्यटन नीति, निवेशकों को सिनेमा में निवेश के लिए प्रोत्साहित कर रही है। मल्टीप्लेक्स और सिनेमा हॉल निर्माण, नवीनीकरण और उन्नयन के लिये फिल्म पर्यटन फिल्म नीति 2020, अंतर्गत निवेशकों को 75 लाख रुपए तक का अनुदान दिया जा रहा है। सिंगल स्क्रीन सिनेमा हॉल की स्थापना के लिए 50 लाख रुपए, मौजूदा सिनेमाघर के उन्नयन के लिए 75 लाख रूपये और मल्टीप्लेक्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिये 75 लाख रूपये तक का अनुदान दिया जा रहा है।

प्रमुख सचिव (पर्यटन एवं संस्कृति विभाग) और प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश को फिल्म शूटिंग हब के रूप में स्थापित किया जा रहा है। साथ ही फिल्म से जुड़ी आधारभूत संचरनाएं विकसित किए जाने के प्रयास किए जा रहे है। मध्यप्रदेश फिल्म पर्यटन नीति प्रदेश में सिनेमा से जुड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। साथ ही स्थानीय फिल्म उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। सिंगल स्क्रीन सिनेमा हॉल की स्थापना के लिए न्यूनतम पूंजीगत व्यय 50 लाख पर 15 फीसदी अनुदान दिया जाएगा। प्रति सिनेमा हॉल अनुदान की अधिकतम सीमा 50 लाख रुपये है। दो वर्षों में बंद हो चुके सिनेमा हॉल को फिर से क्रियाशील या उन्नयन के लिए न्यूनतम पूंजीगत व्यय 25 लाख पर 15 फीसदी राशि का अनुदान दिया जाएगा। इस अनुदान की अधिकतम सीमा प्रति सिनेमा हॉल 75 लाख रुपये है। इसके साथ ही मल्टीप्लेक्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिये न्यूनतम पूंजीगत व्यय 1 करोड़ रुपए पर 15 फीसदी अनुदान दिया जा रहा है। इस अनुदान की अधिकतम सीमा प्रति सिनेमा हॉल 75 लाख रुपये है।

पारदर्शी एवं आसान प्रक्रिया

इच्छुक निवेशक और सिनेमा हॉल ओनर सरल और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से अनुदान के लिए आवेदन कर सकते है। आवेदन पत्र में आवश्यक जानकारी और दस्तावेजों की सूची उल्लेखित है। आवेदन पत्र के साथ व्यापारिक योजना, वित्तीय विवरण, और सम्पत्ति के स्वामित्व का प्रमाण के साथ आवश्यक दस्तावेज एमपी टूरिज्म बोर्ड के कार्यालय में जमा करना होगा।

उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा - महिलाओं का स्वास्थ्य समाज की समृद्धि और विकास का आधार है...

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि महिलाएं परिवार और समाज की आधारशिला हैं। उनका स्वास्थ्य परिवार की आर्थिक और सामाजिक स्थिरता के लिए आवश्यक है। महिलाओं का स्वास्थ्य समाज की समृद्धि और विकास का आधार है। उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने जहांनुमा पैलेस भोपाल में तीन दिवसीय फेडरेशन ऑफ़ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गैनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ़ इंडिया (फ़ॉग्सी) द्वारा बेसिक टू एडवांस्ड-वोमेंस हेल्थ मैटस विषय पर आधारित नेशनल कांफ्रेंस का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश के लगभग 600 गाईनेकोलॉजिस्ट शामिल हुए। हमें मिलकर स्वास्थ्य क्षेत्र में मध्यप्रदेश को शीर्ष पर ले जाना है। उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना है कि हर महिला को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों।

अफसरों को रोज 5-5 बिजली उपभोक्ताओं से लेना होगा फीडबैक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बिजली कंपनियों में मौज काटने वाले अफसरों के लिए नया फरमान आया है। अब इन्हें रोजाना 5-5 बिजली उपभोक्ताओं से फीडबैक लेना होगा। यानी रोज बात करके इन उपभोक्ताओं से पूछना होगा कि आपके क्षेत्र व घर में बिजली से जुड़ी कोई समस्या तो नहीं है। उपभोक्ता यदि समस्या बताते हैं तो अफसरों को बकायदा उसका विवरण तैयार कर समाधान करना होगा। साथ ही सिस्टम में सुधार भी कराना होगा, ताकि संबंधित उपभोक्ता की तरह दूसरे उपभोक्ता परेशान न हो। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ये निर्देश दिए हैं।

ऊर्जा मंत्री ने दिया फरमान

मंत्री ने विभाग के प्रमुख सचिव, कंपनियों के प्रबंध संचालक और मुख्य अभियंता से भी कहा कि वे भी रोज कुछ उपभोक्ताओं से बात करें। ऊर्जा मंत्री ने कहा है कि यह संवाद विद्युत वितरण केंद्र, जोन व संभाग स्तर पर प्रतिदिन होना चाहिए। किसी भी हालत में संवादहीनता नहीं होना चाहिए। असल में प्रदेश के कई उपभोक्ता खपत से अधिक के बिल, कटौती, लो वोल्टेज जैसी समस्याओं से जूझते रहते हैं। ये बिजली कंपनियों के अफसरों व कार्यालयों का चक्कर काट-काटकर थक जाते हैं लेकिन इनकी सुनवाई नहीं होती। तब ये सरकार के कामकाज पर सवाल उठाते हैं, जिसके कारण सरकार की छवि पर विपरित असर पड़ता है। इस बार गर्मी के सीजन में ऐसा ही हुआ। अघोषित कटौती ने सरकार की जमकर किरकिरी की। यहां तक कि विधानसभा में भी बिजली से जुड़ी समस्याओं और शिकायतों पर जमकर सवाल किए गए। जिसके कारण सरकार को जवाब देते नहीं बना। ये सारी बातें सरकार के संज्ञान में है, जिसको लेकर कड़ाई बरती जा रही है।

मेट्रो एंकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से मप्र में निवेश के लिए किया संवाद

निवेश से मप्र होगा सशक्त और देश की जीडीपी बढ़ाने में करेगा योगदान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में लगातार निवेश बढ़ रहा है। उद्योग, व्यापार, व्यवसाय की दृष्टि से मध्यप्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल माहौल बना है। एनर्जी, टूरिज्म, हेल्थ, माइनिंग जैसे सभी सेक्टर में समान रूप से निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राज्य शासन ने बजट में भी उद्योग-व्यापार को प्रोत्साहन देने के लिए पर्याप्त प्रावधान किए है। प्रदेश के अलग-अलग अंचलों की परिस्थिति और विशेषता को फोकस करते हुए अलग-अलग क्षेत्रों में इंडस्ट्रियल समिट करने का निर्णय भी लिया गया है। मध्यप्रदेश सरकार उद्योगपतियों का स्वागत करती है। निवेश से मध्यप्रदेश आर्थिक दृष्टि से समर्थ होगा और निवेश किए जाने वाले क्षेत्रों में लोगों को रोजगार भी मिलेगा। इससे हम देश की जीडीपी को आगे बढ़ाने के लिए अपनी पूरी सामर्थ्य के साथ आगे बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में निवेश के अवसरों को बढ़ाने के लिये देश की वित्तीय राजधानी मुंबई के होटल ताज महल में विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख उद्योगपतियों को इन्टरेक्टिव सेशन में संबोधित कर रहे थे। इन्टरेक्टिव सेशन में जीआईएस-2025 को सफल बनाने प्रमुख

उद्योगपतियों को आमंत्रित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऋणमुक्तेश्वर महादेव और सम्राट विक्रमादित्य के संदर्भ का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में सामर्थ्यशाली शासन की परिकल्पना की गई है। हमारी संस्कृति में यह माना गया है कि शासन का भाव उद्दात होना चाहिए। यह आवश्यक है कि शासन के दृष्टिकोण में संकीर्णता न हो। भारतीय संस्कृति के अनुसार सुशासन स्थापित करते हुए सभी नागरिकों को समृद्ध- संपन्न और खुशहाल बनाना ही शासन का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छोटे से कालखंड में सभी व्यवस्थाओं में सुधार कर देश को विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया है। अब उनके नेतृत्व में हम दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर हैं। अब हमारा देश किसी भी क्षेत्र में दूसरों पर निर्भर नहीं है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश को, देश के लोगों को समर्थ बनाने पर फोकस किया है। इसके परिणामस्वरूप पूरी दुनिया में भारतीयों का स्वाभिमान लौटा है। देश के लोग स्वयं को अधिक सुरक्षित अनुभव कर रहे हैं, साथ ही पड़ोसी देशों का भी भारत पर विश्वास बढ़ा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से राउण्ड टेबल मीटिंग एवं वन-टू-वन चर्चा भी की। इंटरेक्टिव सेशन के प्रारंभ में प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र सिंह द्वारा मध्यप्रदेश की निवेश क्षमताओं संबंधी जानकारी दी गई। मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश अवसरों और मुख्य पर्यटन स्थलों पर केन्द्रित फिल्म प्रदर्शित की गई। सेशन में औद्योगिक परिप्रेक्ष्य में प्रमुख उद्योगपतियों द्वारा उद्बोधन दिया गया और समूह चर्चा भी हुई।

संपादकीय

ताकत के सही इस्तेमाल की जरूरत

देश के इकतीस राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों ने टोटल फर्टिलिटी रेट यानि टीएफआर को रिप्लेसमेंट लेवल (2.1) से नीचे लाने में कामयाबी हासिल कर ली है। यह जानकारी विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर तब सामने आई जब भारत सरकार की ओर से यह आंकड़े जारी किये गये। कई लिहाज से आंकडे तो उत्साहवर्धक कहे जाएंगे। टीएफआर का आशय किसी महिला द्वारा पूरे जीवन काल में जन्म दिए जाने वाले बच्चों की औसत संख्या से है और रिप्लेसमेंट लेवल वह स्तर है जिस पर किसी खास समाज या क्षेत्र की आबादी संतुलित रहती है। यानी किसी देश में टीएफआर के रिप्लेसमेंट लेवल पर पहुंचने का मतलब यह माना जाता है कि अब जनसंख्या में बढ़ोतरी को चुनौती के रूप में लेने की जरूरत नहीं है। भारत के संदर्भ में, यह देखना दिलचस्प है कि जनसंख्या वृद्धि को एक चुनौती के रूप में लेते हुए हम धीरे-धीरे उस स्थिति में आ गए जहां हमारे लिए चुनौती जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश लगाने की उतनी नहीं, जितनी डेमोग्राफिक डिविडेंड का सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल करने की है। खास बात यह कि हम एक लोकतांत्रिक समाज के तौर पर अपने रास्ते चलते हुए यहां पहुंचे हैं। हमें चीन के उन बाध्यकारी तरीकों की ओर जाने की जरूरत नहीं पड़ी जो एक समय काफी आकर्षक माने जाते थे, पर आखिरकार बड़े हानिकारक साबित हुए। हर साल की तरह इस बार भी विश्व जनसंख्या दिवस पर संयुक्त राष्ट्र की ओर से भी बाकायदा आंकड़े जारी कर बताया गया है कि आने वाले दशकों में भारत की आबादी का अन्य देशों के मुकाबले अनुपात क्या रहेगा। इन गणनाओं की अहमियत से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन इनकी प्रामाणिकता असंदिग्ध इसलिए भी नहीं मानी जा सकती क्योंकि भारत में जनगणना के वास्तविक आंकड़े करीब डेढ़ दशक पुराने हैं। 2011 के बाद 2021 में जनगणना होनी थी जो अभी तक नहीं हुई है। टीएफआर के इन आंकड़ों की खासियत यह भी है कि इसमें कोई चौंकाने वाला ट्रेंड नहीं बल्कि एक तरह की निरंतरता दिखती है। 1950 में टीएफआर का जो आंकड़ा 6.18 पर था, वह 1990 में 4.6 पर आया और 2021 में 1.91 पर आ गया। ये आंकड़े न केवल एक राष्ट्र के रूप में हमारी हाल के दशकों में हुई ग्रोथ की पुष्टि करते हैं बल्कि परिवार और समाज में महिलाओं की बेहतर स्थिति भी बयान करते हैं। बहरहाल, टीएफआर कम होने का मतलब यह नहीं कि देश की आबादी में बढ़ोतरी नहीं होगी। यह अगले कई दशकों तक बढ़ती रहेगी। अब सरकार की मुख्य चुनौती शिक्षा और स्वास्थ्य की बेहतरीन सेवाओं तक हर व्यक्ति की पहुंच सुनिश्चित करने की है ताकि देश को अपनी आबादी के युवा स्वरूप का अधिकाधिक फायदा मिल सके। इसके अलावा रोजगार के अवसर पैदा करने की भी सरकार के समक्ष जवाबदारी है, जो युवा राष्ट्र के लिहाज से बहुत अहम है। यदि शिक्षा के मुताबिक रोजगार के मौके पैदा किये जाते रहेंगे तो यही युवा देश के लिये ज्यादा योगदान दे सकेंगे तथा विदेशों में आकर्षक नौकरी पाने और बसने की तमन्ना कम होंगी। उल्लेखनीय है? कि हम अक्सर देखते और सुनते रहते हैं कि फलां देश की तरक्की में वहां बसे भारतीयों का योगदान है या चिकित्सकीय सेवा आदि का दारोमदार भारतीयों पर है, आदि। यह गर्व का बात जरूर है लेकिन जरूरत यह है कि हम अपनी ताकत यानि युवा शक्ति का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल देश के भीतर करें। इसके लिए उन्हें यथोचित मौके मुहैया कराने ही होंगे।

शहरी नक्सली मायोवदियों पर अब कठोर कानूनी फंदा

आलोक मेहता

भारत में बुजुर्ग कहा करते थे - पता नहीं किस भेस में मिल जाएं भगवान । फिर कुछ वर्षों से परिजन , मित्र या सरकारी अधिकारी सलाह देने लगे - सावधान पता नहीं किस भेस में मिल जाए माओवादी नक्सल।7 सचमुच सत्तर के दशक से तीस वर्षों के दौरान विभिन्न प्रदेशों में हिंसक गतिविधियां कर रहे बड़ी संख्या में नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया या उनका आत्म समर्पण हुआ या मुठभेड़ में मारे गए । लेकिन अब भी देश के बीस तीस जिलों खासकर बीहड़ जंगल और आदिवासी क्षेत्रों में बंदूक , गोला बारूद लगाते कुछ नक्सली गुट सक्रिय हैं 7 प्रदेशों की पुलिस और अर्ध सैनिक बल उनको नियंत्रित करने के लिए काम कर रही है , लेकिन उनसे अधिक खतरनाक वे अर्बन (शहरी) नक्सली या हथियारबंद हिंसक नक्सलियों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीकों से समर्थन सहायता करने वाले सफेदपोश शिक्षित लोग हैं । उनकी इस गतिविधि से राज्य और केंद्र की सरकारें परेशान रही हैं , क्योंकि ऐसे लोगों पर हिंसा प्रोत्साहन के सबूत और कानूनी कार्रवाई में कठिनाई आ रही थी ।

इस समस्या से निदान के लिए महाराष्ट्र सरकार ने इस सप्ताह विधानसभा में एक विधेयक पेश किया जिसका उद्देश्य व्यक्तियों और संगठनों की गैरकानूनी गतिविधियों को रोकना है। महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा अधिनियम 2024 नाम से इस विधेयक के कानूनी प्रावधान शहरी क्षेत्रों में नक्सलवाद और उसके समर्थकों के खतरे को रोकने के लिए किया गया है। छत्तीसगढ़ , तेलंगाना , आंध्र प्रदेश और ओडिशा ने गैरकानूनी गतिविधियों की प्रभावी रोकथाम के लिए जन सुरक्षा अधिनियम बनाए हैं।इस कानून में हिंसा, बर्बरता या जनता में भय और आशंका पैदा करने वाले अन्य कार्यों में शामिल होना या उनका प्रचार करना गैरकानूनी गतिविधियों के रूप में माना गया है। इसमें कहा गया है कि आग्नेयास्त्रों, विस्फोटकों या अन्य उपकरणों के उपयोग में शामिल होना या उन्हें प्रोत्साहित करना, स्थापित कानून और उसकी संस्थाओं की अवज्ञा को प्रोत्साहित करना या उनका प्रचार करना भी एक गैरकानूनी गतिविधि है।गैरकानूनी संगठन वह है जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी गैरकानूनी गतिविधि में लिप्त होता है, दांव लगाता है, सहायता करता है, सहायता देता है, प्रोत्साहित करता है। किसी गैरकानूनी संगठन से जुड़ने पर तीन से सात साल की जेल और 3 से 5 लाख रुपये तक का जुर्माना होगा।सलाहकार बोर्ड यह तय करेगा कि किसी संगठन को गैरकानूनी घोषित करने के लिए पर्याप्त कारण हैं या नहीं। यह तीन महीने में सरकार को रिपोर्ट सौंपेगा।

इस अधिनियम के तहत सभी अपराध संज्ञेय और गैर-जमानती होंगे। उपमुख्यमंत्री फडणवीस, जो गृह विभाग भी संभाल रहे हैं, ने कहा है कि नक्सलवाद का खतरा केवल सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि नक्सली संगठनों के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में भी इसकी उपस्थिति बढ़ रही है 7उन्होंने कहा, ÷नक्सल समूहों के सक्रिय फ्रंटल संगठनों के प्रसार से उनके सशस्त्र कैडर को रसद और सुरक्षित शरण के मामले में निरंतर और प्रभावी सहायता मिलती है। नक्सलियों के जब्त साहित्य से महाराष्ट्र के शहरों में माओवादी नेटवर्क के सुरक्षित ठिकानों और शहरी ठिकानों का पता चलता है। उन्होंने कहा कि ऐसे अग्रणी संगठनों की गैरकानूनी गतिविधियों को प्रभावी कानूनी तरीकों से नियंत्रित करने की आवश्यकता है।यह कानून लागू होने के बाद से नक्सलियों के इकोसिस्टम में शामिल ऐसे लोगों पर कार्रवाई होगी जो 'बुद्धिजीवी' कहलाने की आड़ में बचते फिरते हैं। इसमें बताया गया है कि मुखौटा संगठनों के जरिए शहरी क्षेत्रों में नक्सली अपना प्रभाव बढ़ा रहे हैं। ये सशस्त्र नक्सलियों को शरण देते हैं, उन्हें संसाधन मुहैया कराते हैं।

नक्सलियों के पास से जब्त किए गए साहित्य और अन्य सामग्री से पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में उनके कई गुप्त ठिकाने हैं। जो लोग अपना घर इन नक्सलियों को रहने के लिए देते हैं, वो सोशल मीडिया और आमजनों के बीच नक्सली विचारधारा को आगे बढ़ा रहे हैं, यानी सरकार के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह की आग जला रहे हैं और ये देश के खिलाफ है। छत्तीसग?, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा ऐसे 48 संगठनों को पहले ही प्रतिबंधित कर चुके हैं। सरकार द्वारा रखे गए विधेयक में स्पष्ट कहा गया है कि ऐसे किसी भी संगठन की बैठकों या सभाओं में प्रतिबंधित संगठन का कोई सदस्य किसी भी माध्यम से भाग लेता है या मदद करता है, तो उसे 3 साल तक की जेल की सजा के साथ-साथ 3 लाख रुपए तक का जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। राज्य सरकार ऐसे संगठनों को चिह्नित करने के लिए एक सलाहकार समिति का गठन करेगी। इसके कानून बनने के बाद पुलिस शक के आधार पर किसी भी परिसर में घुस कर नक्सली विचारधारा वाले साहित्य को जब्त कर सकती है।साथ ही अर्बन नक्सलियों की संपत्ति को जब्त करने का भी प्रावधान है। ऐसे संगठनों को प्रतिबंधित किए जाने का आदेश उसके अधिकारियों को दिया जाएगा वरना दफ्तर के बाहर चस्पाया जाएगा, दफ्तर न होने की स्थिति में अखबारों में ये नोटिस छपेगा। सरकार द्वारा गठित एडवाइजरी बोर्ड में एक हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज भी होंगे। किसी प्रतिबंधित संगठन या उसके सदस्य की वित्तीय मदद करने पर भी जेल होगी। कोई संगठन नाम बदल कर भी नहीं बच सकता, क्योंकि जब तक वो ऐसी गतिविधियों में शामिल रहेगा वो प्रतिबंधित रहेगा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है नक्सली सिर्फ गढ़चिरौली में ही नहीं हैं। शहरी नक्सली एनजीओ में घुस गए हैं और उन्होंने व्यवस्थित तरीके से सरकार के खिलाफ गलत बातें फैलाई हैं। हालांकि सभी एनजीओ समस्याग्रस्त नहीं हैं, लेकिन कुछ स्पष्ट रूप से सरकार विरोधी हैं। वे सरकारों बारे में सक्रिय रूप से झूठ फैलाते हैं। माओवादी लिंक की इस समस्या की खतरनाक स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पुणे में पुलिस को शहरी नक्सलियों के पास से एक चिट्ठी भी बरामद हुई जिसमें प्रधानमंत्री की हत्या की साजिश की बात सामने आई । शहरी नक्सलवाद हमारे देश के युवाओं को देश के ही खिलाफ भड़का रहा है। इस समस्या को शहरी नक्सलवाद के नाम से जाना जाता है। सुरक्षा प्रतिष्ठानों का मानना है कि माओवाद का पुराना हो चुका नेतृत्व अब शहरों और कस्बों की ओर देख रहा है।

भारत में नक्सल हिंसा की शुरुआत 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से शुरू हुई। इसके नेतृत्वकर्ता चारू मजूमदार तथा कानू सान्याल को थे । पश्चिम बंगाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रे ने बहुत की पुलिस कार्रवाई से एक हद तक उन्हें कुचला 7 फिर शहरी नक्सलवाद की शुरुआत 80 के दशक में हुई थी जब नक्सलवाद ने शिक्षा के केंद्रों में अपनी जड़े जमानी शुरू की और 2004 के आते-आते अपनी गतिविधियों को बदलकर बौद्धिक स्तर पर जंग छेड़ी। 2004 में सीपीआई (माओवादी) का गठन सीपीआई (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) पीपुल्स वॉर ग्रुप (पीडब्ल्यूजी) तथा माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर के विलय के साथ हुआ था। इसने तीन अलग-अलग रणनीतियों के माध्यम से भारत में लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित संसदीय स्वरुप को उखाड़ फेंकने के लिये एक हिंसक विचारधारा का समर्थन किया जिसमें शामिल है अपने लोगों को पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) में भर्ती करना। माओवादियों का लक्ष्य देश के विभिन्न क्षेत्रों पर कब्जा करना है और धीरे-धीरे शहरी केंद्र को घेरना है। शहरी आबादी के कुछ लक्षित वर्गों को संगठित करने, पेशेवर लोगों की भर्ती, विद्रोह के लिये धन जुटाने, भूमिगत कार्यकर्ताओं के लिये शहरी आश्रय बनाने हेतु मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में यह फ्रं ट संगठन के रूप में भी जाना जाता है।इन संगठनों में अकादमिक और ऐसे कार्यकर्ता शामिल होते हैं, जो ज्यादातर मानव अधिकार गैर-सरकारी संगठनों के अंतर्गत काम करते हैं और सीपीआई (माओवादी) पार्टी की संरचना से व्यवस्थित रूप से जुड़े होते हैं लेकिन कानूनी उत्तरदायित्व से बचने के लिये अलग पहचान बनाए रखते हैं। नक्सलवाद के समर्थक चीनी साम्यवादी नेता माओ त्से तुंग के विचारों को आदर्श मानते हैं। यह आंदोलन चीन के कम्युनिस्ट नेता माओत्से तुंग की नीतियों का अनुगामी था और आंदोलनकारियों का मानना था कि भारतीय मजदूरों तथा किसानों की दुर्दशा के लिये सरकारी नीतियाँ जिम्मेदार हैं। धीरे-धीरे मध्यवर्ती भारत के कई हिस्सों में नक्सली गुटों का प्रभाव तेजी से बढ़ने लगा। इनमें झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य शामिल हैं।यह वही नक्सलवाद है जिसने युवाओं की सोच को किस तरह दूषित किया है इसका उदाहरण जेएनयू, जाधवपुर और उस्मानिया विश्वविद्यालयों में देखने को मिला है।सीपीआई (माओवादी) पार्टी तथा इससे जुड़े सभी संगठनों को गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत आतंकवादी संगठनों के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

अर्बन नक्सल शब्द, जो 2018 से प्रचलन में आया है, का पहली बार इस्तेमाल महाराष्ट्र में एल्गार परिषद मामले में उलझे वामपंथियों और अन्य उदारवादियों पर कार्रवाई के मद्देनजर सत्ता-विरोधी प्रदर्शनकारियों और अन्य असंतुष्टों का वर्णन करने के लिए किया गया था। यह 1 जनवरी, 2018 को भीमा कोरेगांव हिंसा से संबंधित दो चल रही जांचों में से एक है। यह पुणे में दर्ज एक प्राथमिकी पर आधारित है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि प्रतिबंधित नक्सली समूहों ने भीमा कोरेगांव की लड़ाई की 200वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर 31 दिसंबर, 2017 की शाम को एल्गार परिषद का आयोजन किया था। पुलिस का दावा है कि एल्गार परिषद में दिए गए भाषण अगले दिन हिंसा भड़काने के लिए कम से कम आंशिक रूप से जिम्मेदार थे। इसके अलावा, पुणे पुलिस का दावा है कि जांच के दौरान उसे ऐसी सामग्री मिली थी, जिससे प्रतिबंधित नक्सली समूहों के एक बड़े भूमिगत नेटवर्क के संचालन के बारे में सुराग मिले थे।खुफिया रिपोर्ट से पता चलता है कि शहरी नक्सलवाद का समर्थन करने वाले अग्रणी संगठन दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चंडीगढ़, रांची, हैदराबाद, विशाखापत्तनम, मदुरै, तिरुवनंतपुरम, नागपुर और पुणे समेत कई शहरों में सक्रिय हैं। इनमें वकील, लेखक, पत्रकार ,मानवाधिकार और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं जिनकी समय-समय पर गिरफ्तारियां भी हुई हैं। शहरी नक्सलवाद के मामले में शहर में रहने वाले शिक्षित व्यक्ति नक्सलियों को कानूनी और बौद्धिक समर्थन प्रदान करते हैं। शहरी नक्सली भारत के अदृश्य दुश्मन हैं, उनमें से कुछ को या तो गिरफ्तार किया जा चुका है या नक्सली गतिविधियों तथा भारतीय राज्य के खिलाफ विद्रोह फैलाने के लिये पुलिस रडार पर रखा गया है। शहरों में नक्सलवाद के बढ़ने का सबसे पहला मामला केरल में दिखाई दिया था जब एक नक्सली वर्ग को पुलिस ने पकड़ा था। फिर यह बात निकलकर सामने आई कि अब नक्सली अपना नेटवर्क शहरों में फैला रहे हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि नक्सलवाद के पीछे जो विचारधारा है उसको प्रोत्साहित करने वाले लोग शहरों में छिपे बैठे हैं और अपनी गतिविधियों को शहरों से ही अंजाम दे रहे हैं।शहरी नक्सलियों का मुख्य एजेंडा शहरों में नक्सलवाद का गुणगान करना और लोगों को नक्सली विचारधारा से जो?ना है तथा विकास के किसी भी दावे को झुठलाना है।शहरी नक्सलवाद की एक अन्य परिभाषा के अंतर्गत यह एक ऐसा षड्यंत्र है , जिसके तहत भारतीय अर्थव्यवस्था में बाधा डालकर किसी भी रूप में विकास कार्यों को रोकने का प्रयास (उदाहरण के लिये बांध निर्माण, परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं आदि के खिलाफ पीआईएल दायर करके)। देश की शिक्षा व्यवस्था के साथ छेड़छाड़ (उदाहरण के लिये आरटीई, पाठ्य पुस्तकों में मार्क्सवादी प्रचार आदि)। देश की कानूनी और न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना ,देश की सुरक्षा व्यवस्था में हस्तक्षेप देश में हिंदू संस्कृति पर हमला (उदाहरण के लिये हिंदू त्योहारों, रीति-रिवाजों आदि पर हमला)।

नक्सलवाद के उभार के आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सली, सरकार के विकास कार्यों को चलने ही नहीं देते और सरकारी तंत्र उनसे आतंकित रहता है। वे आदिवासी क्षेत्रों का विकास नहीं होने, उनके अधिकार न मिलने पर हथियार उठा लेते हैं। इस प्रकार वे लोगों से वसूली करते हैं एवं समांतर अदालतें चलाते हैं। प्रशासन तक पहुँच न हो पाने के कारण स्थानीय लोग नक्सलियों के अत्याचार का शिकार होते हैं। अशिक्षा और विकास कार्यों की उपेक्षा ने स्थानीय लोगों एवं नक्सलियों के बीच गठबंधन को म?बूत बनाया। जानकार मानते हैं कि नक्सलवादियों की सफलता की व?ह उन्हें स्थानीय स्तर पर मिलने वाला समर्थन था , जो अब कम होता जा रहा है 7 शहरी नक्सलवाद खतरनाक इसलिये है और इससे केवल हमारी सरकार तथा हमारी सेना नहीं ल? सकती बल्कि इस ल?ाई को पूरे देश को ल?ना होगा।

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि सही मायने में माओवाद को जिंदा रखने वाले बौद्धिक रूप से म?बूत विचारक कई मायनों में पीपुल लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी से भी ?यादा खतरनाक हैं।सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दिये हलफनामे में यह भी कहा था कि ये माओवादी विचारक 'मास ऑर्गेनाइजेशन' या 'फ्रंट ऑर्गेनाइजेशन' के ?रिये शहरी आबादी के खास लक्षित वर्ग को मोबलाइ? करने तथा मास ऑर्गेनाइजेशन मानवाधिकार संस्थाओं की आड़ में काम करते हैं। नक्सलवाद का चेहरा कितना भयानक होता जा रहा है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि नक्सलवाद ने सरकार के खिलाफ अपनी लड़ाई को और मजबूत करने के लिये जम्मू-कश्मीर के आतंकियों के साथ हाथ मिला लिया है।ऐसे संगठनों के खिलाफ सीधी लड़ाई हमेशा मुश्किल भरी होती है क्योंकि ऐसे लोग हमारे बीच ही घुले मिले होते हैं इसलिये इनके साथ संवेदनशीलता और भावनाओं के साथ लड़ना पड़ता है।नक्सलवादी, संगठनों को विचारधारा और भावना के साथ जोड़ते हैं इसलिये ऐसे संगठन की विचारधारा और भावना पर हमला बोलना बेहद जरूरी है।महत्त्वपूर्ण उद्योगों जैसे- संचार, तेल और प्राकृतिक गैस, कोयला, परिवहन, बिजली, रक्षा, उत्पादन इत्यादि में मजदूर वर्ग द्वारा आंदोलन में प्रवेश किया जाना।गुजरात के सूरत में 2006 से पहले और बाद में कई अन्य औद्योगिक बेल्टों पर माओवादी गतिविधियों का पता लगने से इसकी स्पष्ट रूप से पुष्टि हुई है। शहरी आंदोलन ने छात्रों को देश के विभिन्न हिस्सों में माओवादी गुटों की ओर आकर्षित किया ।

सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इन संगठनों ने शिक्षा क्षेत्र में ब? पैमाने पर घुसपैठ की है 7 माओवादियों ने स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्रों और शिक्षकों समेत शहरी बौद्धिक और मध्यम वर्ग के बीच कुछ सहानुभूति और समर्थन प्राप्त किया 7 कई अवसरों पर सीपीआई (माओवादी) के महत्त्वपूर्ण शीर्ष स्तर के नेताओं को नागरिक समाज में छिपे शहरों और कस्बों से गिरफ्तार किया गया है। माओवाद देश के लिये एक संकट है। रिपोर्ट के अनुसार माओवादी घटनाओं में सुरक्षा बलों की हत्याओं में पहले की अपेक्षा 53 से लेकर 55 प्रतिशत तक गिरावट आई है।भौगोलिक क्षेत्र की दृष्टि से भी देखा जाए तो इसमें 40 प्रतिशत की कमी आई है। इस कमी का श्रेय सीआरपीए? के जवानों, पुलिस अधिकारियों तथा पुलिस के जवानों को जाता है। पहले देश के 10 राज्यों के 77 ?ले नक्सलवाद से प्रभावित थे अब सिर्फ 30 जिले ही नक्सलवाद से प्रभावित बताए जाते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद की समस्या के खात्मे की प्रतिबद्धता को दोहराया है। पुणे पुलिस की कार्रवाई से स्पष्ट है कि शहरी समाज में नक्सलियों के प्रति हमदर्दी रखने के साथ ही उनकी हरसंभव तरीके से मदद करने वाले तत्व सक्रिय हैं। इसका प्रमाण तब मिला था, जब दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जीएन साईंबाबा को नक्सलियों की मदद के अपराध में सुनाई गई थी। निःसंदेह ऐसे तत्त्वों के खिलाफ आरोप साबित करना कठिन है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि शहरी समाज में नक्सलियों के दबे-छिपे मददगार मौजूद नहीं हैं।गृह मंत्रालय ने सुझाव दिया है कि वामपंथी चरमपंथी चुनौतियों से निपटने की रणनीति में शहरी नक्सलवाद से निपटने की योजना शामिल होनी चाहिये। राज्य सरकारों को माओवादी फ्रंट संगठनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करनी होगी। शहरों में बढ़ते नक्सली गतिविधियों का मुकाबला करने के लिये एक अलग बजट का प्रावधान किया जाना चाहिये।

देश का युवा जैसे-जैसे जागरुक हो रहा है वह देश के विकास में भागीदार बनना चाहता है। नक्सलवाद की विचारधारा से उसका मोहभंग हो रहा है।आज युवाओं का वह तबका जो नक्सलवाद की चपेट में आ गया है, को समझाने की जरुरत है, उसे संवैधानिक व्यवस्था से जोड़ने की जरूरत है और इस काम को करने के लिये समाज को आगे आना होगा।

दुनिया में विपत्ति से बढ़ कर
अनुभव सिखाने वाला एक भी
विद्यालय आज तक नहीं खुला है

निशाना

बड़े बड़े ऐलान !

- कृष्णेन्द्र राय

झटपट में वो कर रहे ।
बड़े बड़े ऐलान ।।
करके ऐसा चाह रहे ।
बन जाना महान ।।
मिलना कितना फल ?
है भविष्य के गर्भ ।।
हट गए पर उससे ।
बात जिस संदर्भ ।।
कितना किया प्रयास ।
रखा जनमत मान ।।
शायद उनको लगता है ।
है सांसत में जान ।।
करके अब गुमराह ।
मुद्दे से भटकाव ।।
सुधरे ना तुंरत यदि ।
तय मिलना है घाव ।।

जनगणना इसलिए जरूरी : बेहतर और कल्याणकारी नीतियां बन सकें

पत्रलेखा चटर्जी

हम वर्ष 2024 का आधा पड़ावपार कर चुके हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में वापसी कर चुकी है। लेकिन हर दस वर्ष में होने वाली जनगणना को लेकर अब तक कोई बात नहीं की जा रही। अंतिम बार जनगणना 2011 में हुई थी। भारत ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान भी जनगणना करवाई थी, लेकिन 1981 से हर दस वर्ष में शुरू हुए जनगणना के क्रम को वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के कारण स्थगित करना पड़ा। लेकिन, आश्चर्य की बात यह है कि चार साल बीत जाने के बावजूद हमारे पास अब भी जनगणना कराने के लिए समय नहीं है। बांग्लादेश और ब्राजील ने अपनी अंतिम जनगणना 2022 में संपन्न कराई थी। अमेरिका और चीन, तो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अपनी जनगणना 2020 में ही करवा चुके हैं।?जनगणना के माध्यम से ग्रामीण स्तर तक देश के लोगों की संख्या और जनसांख्यिकीय व सामाजिक-आर्थिक विशेषताओं की जानकारियां बड़े स्तर पर जुटाई जाती हैं।इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ माइग्रेशन ऐंड डेवलपमेंट, केरल?से संबंधित दो प्रतिष्ठित जनसांख्यिकीविद एस. इरुदया राजन और यूएस मिश्रा ने हाल ही में टिप्पणी की, कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत में जनसंख्या की गणना वास्तविक नहीं है। दरअसल, भारत की जनसंख्या के ज्यादातर अनुमान दशकों पुराने आंकड़ों पर आधारित हैं। भारत जब तक अपनी समुचित जनगणना नहीं करा लेता, तब तक हमारे पास सिर्फ अनुमान ही होंगे। जनगणना में देरी के पीछे जो भी कारण हों, लेकिन जनगणना के आंकड़ों की कमी एक गंभीर मसला है। यह न केवल शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के लिए नुकसानदेह है, बल्कि जनगणना के आंकड़ों में देरी की वजह से कल्याणकारी कार्यक्रमों का क्रियान्वयन भी प्रभावित होता है। जैसा राजन और मिश्रा भी इंगित करते हैं कि 'सटीक जनसंख्या और जनसांख्यिकीय संरचना को जानना महत्वपूर्ण है, ताकि हम बेहतर नीतियों का मसौदा तैयार कर सकें।'

राष्ट्रीहय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) 2013 के अंतर्गत?देश के करीब 81.35 करोड़ लोगों को 31 दिसंबर, 2028 तक मुफ्त राशन दिया जाएगा। यह राशन 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार दिया जा रहा है। सरकार?के?2019 के बयान के आधार पर देश की 67 फीसदी आबादी यानी 80 करोड़ लोग सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के हकदार हैं। स्वतंत्र शोधकर्ताओं का अनुमान है कि मौजूदा समय में करीब 92 करोड़ लोग इस दायरे में आने चाहिए। अद्यतन जनसांख्यिकी आंकड़े मिलने पर एनएफएसए को लाभ मिलेगा। यह बात उन अज्ञात लाभार्थियों पर भी लागू होती है, जो राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत वृद्धावस्था पेंशन के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता से वंचित हैं। जनगणना के नवीनतम आंकड़े नहीं होने की कई चुनौतियां हैं। एक शोधकर्ता का कहना है कि यदि हमें बच्चों का टीकाकरण करना है, आंगनवाड़ी कहां खोलनी है या पीडीएस में कितने परिवारों को शामिल करना है, तो इसके लिए जनगणना की जरूरत है। यही जनसंख्या के आंकड़ों का एकमात्र स्वतंत्र स्रोत है, जिससे प्रशासन और गांव स्तर तक आबादी की विशेषताओं, जैसे-आयु, लिंग, परिवार का आकार आदि की जानकारी मिलती है। कई शोधकर्ताओं ने इस ओर ध्यान दिया है कि प्रशासनिक आंकड़े इस बात पर निर्भर करते हैं कि सरकारी तंत्र किन लोगों तक पहुंच पाया। ऐसे में, पक्षपात की आशंका बनी रहती है। यह तथ्य जननीति के लिए स्वतंत्र और पूर्ण जनगणना की मांग को स्पष्ट करता है।हालांकि इसका मतलब यह नहीं कि सरकार और उसकी विभिन्न एजेंसियों ने हाल के वर्षों में कोई देशव्यापी सर्वे नहीं किया है।

: साभार- यह लेखक के विचार हैं।

अच्छी बारिश के लिए बहराणा साहब का निर्माण एवं पूजन

इटारसी। लकड़गंज स्थित श्री दुर्गा नवग्रह मंदिर में श्री झूला सेवा समिति के सहयोग से बहराना साहब का निर्माण कराया गया उनका पूजन किया गया एवं अखखा डाला गया। समिति के अध्यक्ष प्रमोद पगारे,श्रीमती कीर्ति पगारे एवं प्राची पगारे सहित श्रद्धालुओं ने बहराना साहब में अखखा डाला। इसके पहले बहराणा साहब की ज्योत प्रज्वलित की गई। झूलन सेवा समिति के गायक कलाकार सौरभ शिवनानी, विशाल गंगवानी दीपक चंदवानी ने बहुत सुंदर भजन प्रस्तुत किया सिंथेसाइजर पर कमलेश चोरे एवम ढोलक पर कमलेश मालवीय ने संगत दी। इस अवसर पर मंदिर समिति के पुजारी पंडित पीयूष पांडे, झूलन सेवा समिति के संरक्षक गोमा खिलवानी, एवं गोपाल सिद्धवानी, अध्यक्ष बासु खुरानी,अनिल मिहानी, मुकेश खुरानी महेश वलेचानी, सुधीर देवानी महेश नंदवानी नंदू देवानी महेश गेलानी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे

मोहर्रम पर्व के दौरान नगर में निकला अखाड़ा

नर्मदापुरम। मोहर्रम की 7 तारीख़ को स्थानीय जुमेराती से या अली अखाड़ा एवं छोटी बजरिया से हैदरी अखाड़ा निकाला गया जो शहर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ सराफा, मोरछ्ली चौक , फ़ाज़िल मंज़िल से जयस्तम्भ होते हुए जुमेराती एवं वापस छोटी बजरिया पहुचा. अखाड़े में नौजवानों ने अपने प्रदर्शन और करतब दिखाए। अखाड़े में प्रमुख रूप से फैज़ान उलहक़,जब्बार खान, गुलाम मुस्तफ़ा, रिज़वान खान, अखाड़ा उस्ताद बबलू भाइ, हबीब भाई, जफर भाई, शरीफ भाई , हाशिम खान, फैज़ खान, बिलाल खान, गुलाम हुसैन, मोहम्मद, फैज़ान खान, आमिर, शाकिर खान, सब्बू अंसारी,आदि उपस्ति थे।

जीनियस प्लानेट में स्टूडेंट कैबिनेट का गठन

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

जीनियस प्लानेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्टूडेंट कैबिनेट का गठन हुआ द्य इस अवसर पर स्टूडेंट कैबिनेट को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाने के लिए दर्शन सिंह चौधरी सांसद नर्मदापुरम नरसिंहपुर लोकसभा, पंकज चौरे अध्यक्ष नगर पालिका इटारसी, शिव भारद्वाज फाउंडर प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन, योगेंद्र राजपूत जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा, स्कूल संस्थापक हाजी यूनिस सिद्दीकी एवं सर्वजीत सिंह सैनी अथिति के रूप में उपस्थित हुए द्य

स्टूडेंट कैबिनेट में स्कूल हेड बॉय के रूप मे भविष्य सारन , स्कूल हेड गर्ल के रूप में आरुषि शर्मा ने शपथ ली द्य कैबिनेट में डिसिप्लिन कैप्टेन की जिम्मेदारी रितिका चौरे, हेल्थ एंड हाइजिन कैप्टेन की जिम्मेदारी तनिष्क पटेल, सोशल कैप्टेन की जिम्मेदारी निखत खान, लैंग्वेज कैप्टेन की जिम्मेदारी हर्ष नितिन यादव और स्पोर्ट्स कैप्टेन की जिम्मेदारी प्रियांश रामकुचे को दी गई द्य इसके साथ चारों हाउस का गठन और उसके इंचार्ज टीचर को भी जिम्मेदारी दी गई द्य सिल्वर हाउस की हाउस इंचार्ज अभिषेक दयाल को बनाया गया, वही सिल्वर हाउस कैप्टेन प्रीती कुमारी को बनाया गया द्य गोल्डन हाउस इंचार्ज अर्चना मुरैया मैडम और हाउस कैप्टेन अर्पित गोइल को बनाया गया द्य प्लैटिनम हाउस इंचार्ज लक्ष्मण सराठे और हाउस कैप्टन प्रभजोत सिंह सैनी को बनाया गया तथा डायमंड हाउस इंचार्ज मोनी साहू और हाउस कैप्टेन समरवीर सिंह को बनाया गया । इसके पश्चात् चयनित स्टूडेंट कैबिनेट के सभी सदस्यों को बेच, स्लैश और फ्लेग प्रदान किये गए सांसद चौधरी ने स्कूल में स्टूडेंट कैबिनेट और हाउस का महत्व बच्चों को बताया, साथ ही कहा की अनुशासन से जीवन को सफल बनाया जा सकता है द्य इसलिए अनुशासन को छात्र जीवन में अपना लिया जाये तो स्टूडेंट किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकता द्य प्राचार्य विशाल शुक्ला ने सभी का आभार प्रदर्शन किया।

नर्मदापुरम का शासकीय महाविद्यालय हुआ प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस.

छात्र पढ़ाई करें तथा प्रोफेसर समर्पित भाव से विद्यार्थियों का जीवन निखारें : उदय

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सबसे पहले म.प्र. ने अपना कर लागू किया है। म.प्र. पहला ऐसा राज्य है जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप अपने महाविद्यालयों में शिक्षा दे रहा है। मंत्री शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। नर्मदा महाविद्यालय को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा दिया गया है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं एवं प्रोफेसरों को संबोधित करते हुए मंत्री ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज शासकीय नर्मदा महा विद्यालय प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बन गया है। पूरे प्रदेश में मात्र 55 महाविद्यालयों को ही यह सौभाग्य प्राप्त हुआहै। राव ने कहा कि सरकार महाविद्यालय में सभी प्रकार के संशाधन जुटाकर भेज सकती है लेकिन अंत में विद्यार्थियों को पढाई में मेहनत करनी होगी। प्रोफेसरों को भी समपिर्त भाव से बच्चों को ज्ञान अर्जन करने में मदद करनी होगी। प्रोफेसर विद्यार्थियों का जीवन सवारने में अपना जी जान लगा दें। उन्होने कहा कि प्रोफेसर बच्चों के जीवन को संवारने में यदि मेहनत करेंगे तो बच्चों को भी जीवन में आगे बढने का अवसर मिलेगा।

राव ने कहा कि माता पिता के बाद शिक्षकों का आदर किया जाता है। अत~शिक्षक महाविद्यालय में उपलब्ध सभी संसाधनों का उपयोग कर देश के लिए नया भविष्य गढे।

उन्होने बताया कि नर्मदापुरम जिले में 40 से 50 करोड की लागत से सीएम राईज स्कूल बनाए जा रहें है। स्कूल में लेब लायब्रेरी, खेल का स्थान सभी बनाकर दिया जा रहा है। इसका समूचित उपयोग करना अब विद्यार्थियों की

जिम्मेदारी है।

नर्मदा महाविद्यालय में कार्यक्रम में सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने बताया कि वे स्वयं इस विद्यालय के छात्र रहें है। उन्होने कहा कि इस महाविद्यालय से ऐसी प्रतिभाएं निकलें जो संपूर्ण भारत वर्ष में नर्मदापुरम जिले का नाम रोशन करें। उन्होने कहा कि आने वाले समय में महाविद्यालय का महत्व बढेगा।

विधायक डॉ सीताशरण शर्मा ने कहा कि आज उन्हें यह देखकर बहुत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि जिस महाविद्यालय की नीव उनके पिता ने रखी थी आज वो भव्य रूप ले रहा है। महाविद्यालय हमेशा टॉप पर रहा है और आज वो उत्कृष्ट होने जा रहा है। सरकार ने अपना काम कर दिया है अब छात्रों की जिम्मेदारी है कि वे अपनी पढाई से महाविद्यालय को उच्चतम स्तर पर लें जाए।

इसके पूर्व कलेक्टर सोनिया मीना ने बताया कि इस प्रतिष्ठित कॉलेज का चयन प्रधानमंत्री ऑफ एक्सीलेंस के लिए किया गया है। महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा को बढावा देने के लिए 1 कक्ष बनाया गया है विद्या वन भी स्थापित किया गया है। मुख?य विषयों के पाठ्य पुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जाएंगे। कैम्पस डवलपमेंट के लिए राशि प्राप्त हुई है। वाणिज्य भवन, होस्टल, पार्किंग, सांस्कृतिक भवन का निर्माण किया जाएगा।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य ओएन चौबे ने कार्यक्रम की रूपरेखा की विस्तार से जानकारी दी। सभी अतिथियों ने एक पेड मां के नाम अभियान के तहत विद्या वन में पौधरोपण किया। परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने प्रधानमंत्री ऑफ एक्सीलेंस नर्मदा महाविद्यालय की 2 बसों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। विधायक डॉ सीताशरण शर्मा ने भारतीय ज्ञान प्रकोष्ठ कक्ष का अवलोकन किया और विद्या वन में पौधरोपण किया। संभागायुक्त केजी तिवारी ने भी पौधरोपण किया।

एसडीएम हर्षल चौधरी ने धारा 32 के अंतर्गत नामांतरण किया निरस्त

सिरोंज। काफी दिनों से शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत की जा रही थी कि सिरोंज में कस्टोडियन की भूमि को स्वयं के नाम कर कालोनी काटी जा रही थी इसी क्रम में आरोन रोड पर क्राउन सिटी नमक कॉलोनी काटी जा रही थी जिसमें लगभग चार बीघा जमीन कस्टोडियन की है माननीय एसडीएम हर्षल चौधरी ने उक्त भूमि को धारा 32 के अंतर्गत अंतर निहित शक्तियों का उपयोग करते हुए नामांतरण निरस्त कर कस्टोडियन दर्ज कर दिया है जिन लोगों ने प्लॉट लिए हैं अति शीघ्र पैसा वापस लेले.. ऐसी और भी कॉलोनी है जिनमें शासन की भूमि को स्वयं के नाम करा कर कालोनी काटी जा रही है इस और भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

मेडिकल चिकित्सा की शिक्षा हिन्दी में देने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य - राज्य मंत्री पटेल

विदिशा। चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने दीप प्रज्जवलित कर अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में आज राष्ट्रीय चिकित्सा संगठन और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के तत्वाधान में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों के डीन व प्रोफेसरों, व्याख्याताओं की मुलाकात कार्यक्रम का शुभारंभ किया। चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जहां देश की मातृभाषा हिन्दी में चिकित्सा शिक्षा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश से यह आयोजन किया जा रहा है उससे निश्चित ही मध्यप्रदेश गौरवान्वित हुआ है। उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में नए उन्नयनों से यह आयोजना जाना जाए ताकि चिकित्सा में और बेहतर सुविधाएं विद्यार्थियों और मरीजों को मिल सकें। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण आयोजन के सारगर्भित सुझावों पर प्रदेश में अमल लाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने आयोजन के प्रति सभी के प्रति शुभकामनाएं अभिव्यक्त की हैं। पौधरोपण लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में पहुंचकर अमरुद का पौध-रोपित किया।

शादी का फर्जी प्रमाण पत्र मामला

एफआईआर के लिए सीएमओ ने लिखा टीआई को पत्र

इटारसी। नगरपालिका परिषद इटारसी की सीएमओ रितु मेहरा ने उनके नाम व पदनाम की सील का दुरुपयोग करते हुए शादी का फर्जी प्रमाण पत्र बनाने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के लिए सिटी पुलिस को आवेदन दिया है। उन्होंने पत्र में बताया कि नगरपालिका द्वारा जारी एक अन्य विवाह प्रमाण पत्र का उपयोग करते हुए दूसरा प्रमाण पत्र बनवाया गया है। जिसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने पत्र के माध्यम से कहा कि इस जालसाजी में जो भी गिरोह या व्यक्ति शामिल हैं, उन पर एफआईआर दर्ज की जाए।

यह लिखा है सीएमओ ने टीआई को पत्र-

सीएमओ रितु मेहरा ने अपने पत्र में आधार केंद्र संचालक चेतन पटैल, के पत्र दिनांक 10 जुलाई को लिखे पत्र का उल?लेख करते हुए लिखा है कि 09.जुलाई को आधार सेवा केंद्र पर आवेदक कृष्णा बावरिया पुत्र राधेलाल बावरिया निवासी वार्ड नं 08 सुदामा नगर मोबाईल नं 7987195637 के द्वारा अपनी धर्मपत्नि रिया बाबरिया के आधारकार्ड में पति का नाम दर्ज करने के लिये विवाह प्रमाणपत्र (पंजीकरण क्रमांक ~ऋ/343/ 2307/449 /2024 बुक नं 3332 दिनांक 08.05.2024 प्रस्तुत किया है, परंतु दस्तावेज वेरीफाय करते समय उक्त विवाह प्रमाणपत्र फर्जी पाया गया है जो कि मुख्य नगरपालिका अधिकारी की पदमुद्रा से जारी हुआ है। उक्त विवाह प्रमाणपत्र की जांच करने एवं दोषियों पर कड़ी कार्यवाही का उल्लेख किया गया है। उक्त संबंध में इस निकाय द्वारा लोकसेवा पोर्टल द्वारा जारी विवाह प्रमाणपत्रों की जांच करने पर पाया कि बुक नं 3332 पर समीम अहमद पुत्र बशीर अहमद खान के नाम से विवाह प्रमाणपत्र जारी होना दर्ज है न कि कृष्णा बाबरिया पुत्र राधेलाल बाबरिया। साथ ही पंजीकरण कमांक ऋ/343/2 307/ 449/2024 का जो क्रम है वह भी सही नहीं है।आवेदक कृष्णा बावरिया पुत्र राधेलाल बावरिया निवासी वार्ड नं 08 सुदामा नगर के द्वारा प्रस्तुत विवाह प्रमाणपत्र गलत / शासकीय दस्तावेज से छेडछाड / कूटरचना कर निर्मित किया गया है। उक्त संबंध में संबंधित के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज कर प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही करने के लिए कहा गया है।

इनका कहना है

मामला गंभीर होने के कारण इसकी जांच के लिए पुलिस को सीएमओ द्वारा पत्र भेजा गया है। हमारा मानना है कि इसमें जांच होनी चाहिए और जिन भी लोगों और गिरोह ने यह कार्य किया है, उन पर एफआईआर दर्ज हो। जिससे इस तरह का फर्जीवाडा करने के पहले लोग 10 बार सोचें।

पंकज चौरे, अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद इटारसी

मेट्रो एंकर स्वामी विवेकानंद शास.महाविद्यालय में पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ मिलेगी रोजगारोन्मुखी शिक्षा: पटेल

रायसेन, दोपहर मेट्रो।

स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ कार्यक्रम लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल तथा सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन, कलेक्टर श्री अरविंद दुबे, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ इशरत खान भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में इंदौर में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का एलईडी के माध्यम से लाईव प्रसारण भी देखा गया। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री पटेल ने उपस्थित छात्र-छात्राओं तथा आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और गुणवत्तापूर्ण तथा रोजगारोन्मुखी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशानुरूप रायसेन सहित प्रदेश के सभी जिलों में 55 महाविद्यालय का प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में उन्नयन किया गया है। इन कॉलेज में विद्यार्थियों को उत्कृष्ट, गुणवत्तापरक, समग्र, समावेशी और रोजगारोन्मुखी शिक्षा मिलेगी।

राज्यमंत्री श्री पटेल ने नवीन शिक्षा नीति के दृष्टिगत प्रारंभ किए गए इन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में अधोसंरचना विकास, भवन विस्तार, लैब उपकरण, पुस्तकालय, खेल सुविधाएं, फर्नीचर आदि के लिए राशि स्वीकृत की गई है। साथ ही नवीन पाठ्यक्रम भी स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पाठ्यक्रमों में प्राचीन और भारतीय परम्परा का ज्ञान भी समाहित किया गया है। इनके माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ, भारतीय ज्ञान परंपराओं को जानने और कई रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की शिक्षा प्राप्त करने का मौका मिलेगा।

कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी ने कहा कि राष्टीय शिक्षा नीति-2020 में प्रधानमंत्री की परिकल्पना को साकार करते हुए प्रदेश में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शुरू किए जा रहे हैं। इनमें विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करते हुए गुणत्तापूर्ण और रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने के समुचित प्रबंध किए गए हैं। जिससे यह महाविद्यालय प्रदेश को एक नई दिशा प्रदान करेंगे। साथ ही विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के नवीन अवसर प्राप्त होंगे। इन कॉलेज में संचालित होने वाले पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को राष्टीय स्तर पर अन्य विद्यार्थियों से प्रतिस्पर्धा करने हेतु योग्य बनाने के साथ ही हजारों साल पुरानी हमारी संस्कृति और भाषाओं के साथ विद्यार्थियों को जोड़ने का कार्य करेंगे।

राज्यमंत्री श्री पटेल ने मप्र हिन्दी ग्रंथ अकादमी के काउन्टर से क्रय की पुस्तक

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शास.महाविद्यालय में स्थापित किए गए ष्मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के काउन्टर का स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने फीता काटकर शुभारंभ किया। उन्होंने काउन्टर से ''भारत का इतिहास प्रारंभ से 1250 तक'' पुस्तक क्रय की तथा यूपीआई के माध्यम से ऑनलाईन भुगतान किया। कॉलेज में स्थापित इस ष्मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के काउन्टर पर विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकें समस्त विद्यार्थियों तथा आमजन के लिए रियायती दर पर उपलब्ध रहेंगी।

नव दंपतियों को उपहार के रूप में दिया संविधान

अजाजजा एवं पिछड़ा वर्ग का पहली बार हुआ सामूहिक विवाह सम्मेलन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कृषि उपज मंडी प्रांगण में रविवार को संपन्न हुआ सामूहिक विवाह सम्मेलन अपने आप में अनूठा था आयोजक समिति द्वारा गृहस्ती की सामग्री के साथ-साथ संविधान दिया गया इसके साथ ही सभी वर्गों का एक साथ एक मंच पर समागम देखने को मिला समिति के इस अनूठे प्रयास को आमजन द्वारा सराहनीय बताया जा रहा है

नो जोड़ों बने एक दूसरे के जीवन साथी -

अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के सचिव दिनेश कुमार शाक्य ने बताया कि नो दंपति इस विवाह सम्मेलन में शामिल हुए जिन्हे गृहस्ती की सामग्री के साथ प्रमाण पत्र एवं संविधान की प्रति देकर परिजनों के साथ समिति ने आशीर्वाद दिया वही समिति अध्यक्ष डॉक्टर लखपत सिंह ठकरेले ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहां की मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है उन्होंने आगामी वर्ष और विशाल पूर्णता निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने की घोषणा भी की उन्होंने कहा कि समिति सामूहिक विवाह सम्मेलन के अलावा अन्य सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रूप से कार्य करेगी ठकरेले

ने सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की पुरजोर मेहनत को नमन करते हुए उन्होंने समिति के हर एक सदस्य को सामाजिक क्षेत्र में काम करने का आवाहन करते हुए आभार व्यक्त किया। इस दौरान उपाध्यक्ष उजागर सिंह यादव, बुंदेल सिंह कुशवाह, बालाराम साहू, सोनू धाकड़, कैलाश नारायण कुर्मी, संजीव त्यागी, माखन सिंह धाकड़, धनराज नायक सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे

आदिवासियों के साथ बीमारी के नाम पर ठगी के आरोपियों को किया गिरफ्तार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

दीपना खेड़ा पुलिस ने अच्छी कार्रवाई करते हुए 2 दिन के अंदर आदिवासियों के साथ ठगी करने वाले आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया इनके पास से पैसे भी बरामद कर लिए 2 महीने पहले साड़ी बेचने के नाम पर इस वारदात को अंजाम दिया था जिसमें साड़ी बेचने आई महिला ने आदिवासी परिवार को अपना शिकार बनाया और कहा असाध्याय बीमारी का इलाज हो जाएगा और 2 दिन में ठीक भी हमारे गुरु जी कर देंगे कई दिनों

तक फोन पर बात होती रही पैसों का इंतजाम करने के लिए दोनों आदिवासी परिवारों ने अपनी पट्टे की जमीन को 5 साल के लिए रेन रख दी और एक व्यक्ति ने तो जमीन से इंतजाम पूरा नहीं होने पर 60 हजार रुपए 1000 प्रति दिन के ब्याज पर लिए थे। ठगी करने वाले आरोपियों को दीप ना खेड़ा पुलिस ने पूरी फिल्मी स्टाइल में रणनीति बनाकर अंजाम दिया जहां 2 महीने पहले चार लाख बीस की रकम दो व्यक्तियों से बीमारी ठीक करने के नाम पर ले चुके आरोपियों को पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई है जिसके लिए एसपी, एसपी के निर्देशन में तथा एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अनुज प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम बनाई जिसने आरोपियों को पकड़ने के लिए एक रणनीति बनाई सादा वर्दी में पुलिसकर्मी मौजूद थे। बीना में मकरोनिया के पास आरोपी ने पीड़ित को बुलाया जहां पर पुलिस चारों तरफ मौजूद थी तभी आरक्षक उबेस खान के पास में एक व्यक्ति मोबाइल पर बात कर रहा था घेराबंदी करके पुलिस ने पकड़ लिया। पीड़ितों के द्वारा दिए गए आवेदन के बाद पैसे मांगने वाले आरोपियों की पूरी जानकारी मांगी सीधे-साधे आदिवासी परिवार के साथ ठगी हुई थी पुलिस पहले इतनी बड़ी ठगी नहीं मान रही थी पर जांच पड़ताल और ठगी करने वालों के मोबाइल नंबर की जानकारी लेकर फिर से पीड़ितों से ठगी करने वालों को पैसों का लालच दिलवाया इसके बाद आरोपी पुलिस के शिकंजे में फंस गए। घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया दिनांक 11.07.2024 को थाना दीपनाखेड़ा के ग्राम ऊमरखेड़ी से दो महिला अनारवाई पत्नी देशराज आदिवासी व गयाबाई पत्नी रमेश आदिवासी द्वारा अलग-अलग आवेदन पत्र थाना में दिए थे। जिसमें उन्होंने बताया गाँव में एक कपडा बेचने वाली अज्ञात महिला ने उनसे अपने लकवाग्रस्त पति व मानसिक विक्षिप्त बच्चे का देशी जडी बूटी से इलाज करने के नाम पर प्रथक प्रथक 250000- तथा 170000 की धोखाधड़ी की है। दीपना खेड़ा थाना प्रभारी अनुज प्रताप सिंह ने इस मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी एसडीओपी सिरोंज के मार्गदर्शन में टीम गठित कर फरियादी महिला गयाबाई एवं साक्षी रामबाबू साहू को साथ लेकर तस्दीक हेतु रवाना होकर फरियादिया द्वारा लगातार उक्त मोबाइल नंबर से संपर्क कराया जाकर उसके द्वारा बताए स्थान महिन्द्रा शोरूम के पास मकरोनिया पहुँचे जहाँ एक व्यक्ति कुछ समय पश्चात विना नंबर की स्पलेंडर मोटरसायकल से आवेदिका गया वाई के पास आया जिसे चारों और से घेराबंदी कर अभिरक्षा में लिया नाम पता पूँछा तो उसने अपना नाम गोविन्द पुत्र रामेश्वर गौंड उम्र 40 वर्ष निवासी वरायठा रोड शाहगढ जिला सागर का होना बताया। आवेदिका गया वाई द्वारा बताया कि उक्त व्यक्ति ने दिनाँक 25.06.2024 को दीना जिला सागर में उनसे 170000- रुपये लेकर गया था जिससे पूँछताछ करने पर अपनी भाभी लई वाई निवासी शाहगढ के साथ दिनाँक 25.06.2024 को अनार वाई से धौखाधडीपूर्वक 250000- रुपये एवं दिनाँक 30.06.2024 को आवेदिका गया वाई से 170000- रुपये ठगने की बात स्वीकार की इसके बाद आरोपी को अभिरक्षा में लेकर थाने लकर अपराध क्रमांक 119/24 एवं 120/24 धारा 416,417,418 भादवि का पंजीवद्ध कर विवेचना में लिया पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है क्योंकि इसके द्वारा इस तरह की घटनाओं को और भी लोगों के साथ अंजाम दिया गया होगा। आरोपिया लई वाई पत्नी विशना गौंड उम्र 40 वर्ष निवासी शाहगढ जिला सागर को तलाश कर थाना लाकर विधिवत उसके द्वारा पेश करने पर 250000-,170000- रुपये कुल 4 लाख 20 हजार रुपए विधिवत जप्त किये गए।

इनकी रही भूमिका - कार्यवाही में उप निरीक्षक अनुज प्रताप सिंह थाना प्रभारी दीपनाखेड़ा, प्र.आर. रामकरण मालवीय, प्र.आर. दीपक सेंगर, आर. राजकुमार, आर. उवेश, म.आर.कात्यायनी की अहम भूमिका रही।

सड़क हादसे में तीन गोवंश की मौत फिर भी नहीं जागा प्रशासन

सड़कों पर घूम रहे मवेशी, हादसों का खतरा, मवेशियों से नागरिक, किसान सहित सभी परेशान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

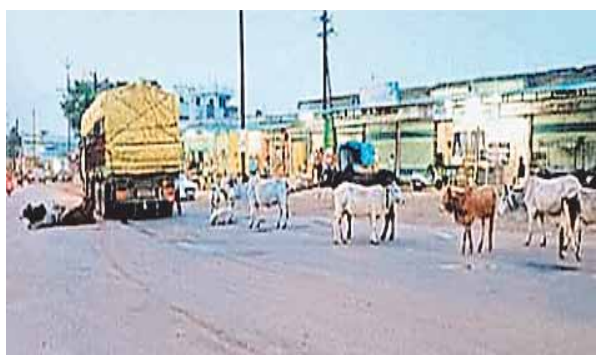

क्षेत्र की सड़कों पर इन दिनों मवेशियों का जमघट लगा रहता है। बड़ी संख्या में मवेशी सड़कों पर दिन-रात भटकते व बैठे रहते हैं। इस कारण कई बार आवागमन अवरुद्ध हो जाता है। मवेशियों के कारण वाहन चालकों का मार्ग से निकलना मुश्किल हो जाता है। इसे लेकर कई बार लोगों ने शिकायत की, किंतु जिम्मेदार इस पर जरा भी ध्यान देने को तैयार नहीं है। इसके चलते नागरिक परेशानी उठाने को मजबूर हैं। क्षेत्र के पशुपालकों की गैर जिम्मेदारी व हठधर्मिता के कारण नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पशुपालक गायों को भटकने के लिए खुला छोड़ देते हैं। इसके चलते बड़ी संख्या में गाएं नगर की गलियों व बाजारों में दिनभर घूमती रहती हैं। मुख्य मार्गों के बीच में ही कहीं भी बैठ जाती हैं। इस कारण मार्ग बाधित हो जाता है। वाहन चालक हार्न बजाते रहते हैं, किंतु इन पशुओं पर इसका कोई असर नहीं होता है। कई बार ये पशु आपस में लड़ते भी हैं, जिसकी वजह से कई वाहनों को नुकसान हो जाता है। मार्ग से गुजरने वाले लोगों को घायल होना का डर रहता है। इसके अलावा दिनभर सड़कों पर घूमने वाली गाय जगह-जगह गंदगी भी करती हैं। क्षेत्र में इस समय सबसे बड़ी समस्या के रूप में यदि देखा जाए तो मवेशियों की है जो आपको हर एक सड़क पर नजर आ जाती है प्रमुख सड़कों से जुड़े किसी गांव में प्रवेश करते हैं तो सबसे पहले मवेशी के झुंड से होकर गुजारना पड़ता है। आए दिन सड़कों पर बैठी गाय किसी भी वाहन की चपेट में आकर जख्मी हो जाती है। वहीं नपा प्रशासन द्वारा शहर की सड़कों पर घूमने वाले मवेशी के मालिकों के खिलाफ किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं होती। जिसके कारण पशु पालकों के हौसले भी बुलंद हैं, वे मवेशियों को ऐसी ही छोड़ देते हैं जो सीधे सड़कों पर आ जाते हैं। शहर के व्यस्तम मार्ग पर मवेशियों का घूमना कोई बड़ी बात नहीं है। लेकिन नपा की ओर से मवेशियों को पकड़ कर अन्य जगह शिफ्ट करने की कोई प्लानिंग तक नहीं बनाई।

गोमाता पर किसी का ध्यान नहीं

हिंदू धर्म के अनुसार गौमाता में 36 कोटी देवी देवताओं विराजमान होने का दावा होता है, लेकिन इसके बावजूद भी आए दिन लोग अपनी पालतू गाय को तक चरने के लिए खुले में छोड़ देते हैं। जिसके कारण गाय एकत्रित होकर सड़क हाईवे पर विश्राम के लिए बैठ जाती है और हाइवे से गुजरने वाले वाहन की चपेट में आकर मौत हो जाती है। शासन द्वारा भी कई गौशालाओं का निर्माण कराया गया लाखों करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं इसके बावजूद गौ माता सड़क हाईवे परदुर्घटनाओं का शिकार हो रही है। विगत दिवस पूर्व शहर से सटे पाटन गांव के पास एक बोलेरो सड़क पर बैठे मवेशियों के झुंड से टकरा गई, जिसके कारण दो लोगों सहित तीन गायों की मौत हो गई थी।

मुख्य वजह चरनोई भूमि पर अवैध कब्जा

क्षेत्र की शासकीय चरनोई भूमि पर दबंगों ने कब्जा कर खेत बना लिए हैं, इससे पशुओं को चारे के लिए जगह नहीं बची। तो इस वजह से मवेशी अपना पेट भरने के लिए किसानों के खेतों में जाते हैं और फसल चट करते हैं। जब किसान वहां से भगाते हैं तो ये मवेशी हाइवे पर झुंड बनाकर बैठ जाते हैं। कई ग्रामीण मजबूरी में बारिश के समय मवेशियों को नगर में छोड़ जाते हैं। इसके साथ ही क्षेत्र में गोशालाओं में भी पुख्ता व्यवस्था नहीं है। यही वजह है कि पशुओं का सड़क पर डेरा लगा रहता है। कई बार यह मवेशी हादसे का कारण भी बनते हैं। क्षेत्र में इन आवारा मवेशियों के कारण बार बार हादसे हो चुके हैं। जिनमें लोगों की जानें गई हैं। यदि गांवों में अवैध रूप कब्जाई गई चरनोई की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवा दिया जाए तो बहुत हद तक पशुओं को राहत मिल सकेगी। मगर जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, तो वही लगातार हादसों के शिकार हो रहे हैं।

पुलिस की गिरफ्त में आया ट्रेनों में जहरखुरानी करने वाला वारंटी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

गंजबासौदा नगर में कुछ समय पहले से निवास करने वाला एक यूट्युवर चौनल का काम करने वाला राजेश स्वयं को पत्रकार बताता था। लेकिन शनिवार को इसकी कुछ और ही असलीयत सामने आई। जानकारी के अनुसार राजेश अहिरवार नामक युवक पिछले कई सालों से नगर में राजेश विश्वकर्मा बनकर निवास कर रहा था। राजेश अपने चार अन्य साथियों के साथ कटनी और जबलपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में ट्रेनों में जहरखुरानी करके लोगों को अपना शिकार बनाता था और उनका सामान लेकर रफूचक्कर हो जाते थे। तब इनके खिलाफ 2017 में जीआरपी कटनी में अपराध क्रमांक 348/17 पंजीबद्ध हुआ तब से राजेश फरार चल रहा था। इसका खुलासा उस समय हुआ जब कटनी जीआरपी पुलिस के प्रधान आरक्षक देवेन्द्र, आरक्षक अभिषेक ने स्थायी वारंट के साथ स्थानीय

ट्रेनों में लोगों को बनाता था शिकार, जाति बदलकर कर रहा था निवास

पुलिस के प्रधान आरक्षक विपिन नायक के सहयोग व नायक के मजबूत सूचना तंत्रों से उसे गिरफ्तार कर लिया।

यू-ट्यूबर - राजेश की गिरफ्तारी की खबर जैसे ही उसके साथ काम करने वालों को लगी तो कुछ लोग थाने पहुंचे और उसकी सच्चाई की जानकारी ली। तब पुलिस ने बताया कि राजेश हाल में नगर के वार्ड 6 में किराये के मकान में रहता है। वह उसका नाम राजेश अहिरवार न बताकर राजेश विश्वकर्मा बताता था और नगर में एक युट्यूब चौनल में काम करता था और स्वयं को पत्रकार बताता था। यह किसी को पता नहीं था कि राजेश ट्रेन में जहरखुरानी की घटनायें करके वहां से फरार होकर नगर में फरारी काट रहा था।

नहीं हुआ वेरीफिकेशन - पिछले कई सालों से राजेश अहिरवार जो कि उसका नाम राजेश विश्वकर्मा बताता था, उस समय उसने नगर में आकर गायत्री नगर में किराये का मकान लिया। लेकिन उस समय न तो मकान मालिक द्वारा इसका वेरीफिकेशन कराया गया। जिसके चलते राजेश आसानी से नगर में बेधड़क होकर निवास करने लगा। नागरिक व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रेस क्लब अध्यक्ष कमलेश शर्मा का कहना है कि मकान मालिक और पत्रकार संगठन किसी भी व्यक्ति को सदस्य बनाने से पहले उसका पुलिस सत्यापन करायें।

मेट्रो एंकर | **भाजपा मंडल कार्यसमिति की बैठक का हुआ आयोजन**

मंडलों के प्रत्येक शक्ति केंद्र पर होगा कार्यकर्ताओं का सम्मेलन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

भारतीय जनता पार्टी संगठन की मंडल कार्यसमिति की बैठक रविवार को गणेश सदन में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश संगठन द्वारा आगामी कार्यक्रमों को लेकर कार्ययोजना बनाकर चर्चा गई। इस अवसर पर बैठक को संबोधित करने पहुँचे जिला महामंत्री मुकेश तिवारी ने प्रदेश संगठन के द्वारा मंडल स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि हाल की के लोकसभा चुनाव में भीषण गर्मी के बाबजूद कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत से भाजपा ने पूरे प्रदेश की उनतीस लोकसभा पर विजय का परचम लहराया है। भाजपा के कार्यकर्ता पूरी प्रमाणिकता के साथ सातों दिन चौबीसों घंटे काम करते है जिसका मूल कारण हमारे संगठन की गतिशीलता है हम सभी राष्ट्र के वैभव के उत्थान और जनकल्याण की भावना से काम करने वाले संगठन के कार्यकर्ता है इसलिए प्रदेश संगठन ने यह तय किया है कि आने वाले दिनों में मंडल के प्रत्येक शक्ति केंद्र पर सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। शक्ति केंद्र के इन सम्मेलनो में बूथ पर सक्रिय रूप से काम करने वाले निष्ठावान कार्यकर्ताओं के साथ बूथ अध्यक्ष,महामंत्री,पंच परमेश्वर की टोली के साथ निवासरत जनप्रतिनिधिगणों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा आगामी गुरुपूर्णिमा पर अपने मतदान केंद्र के अंर्तगत आने वाले मठ मंदिरों की साफ सफाई के साथ वहाँ के पुजारियों संतो का पूजन सम्मान भी किया जाएगा। बैठक में मंडल केंद्र के पदाधिकारियों से उन्होनें बृहद स्तर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान को समाज के सभी वर्गों तथा संस्थाओं के सहयोग से तेज गति से किए जाने का भी आव्हान किया। उन्होंने 26 जुलाई विजय दिवस को सैनिकों के सम्मान में आयोजित करने की भी बात कही। बैठक में भूमिका वक्तव्य देते हुए वरिष्ठ नेता रमेश यादव ने कहा कि हम अभी विश्व के सबसे बड़े राजनेतिक दल के कार्यकर्ता के रूप में काम करते हैं। हमने अगर प्रदेश की सभी लोकसभा सीट जीतने का काम किया है तो वह केवल बूथ पर परिश्रम की पराकाष्ठा करने वाले समर्थ कार्यकर्ताओ की अथक मेहनत का परिणाम है। हमने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनाकर पंडित नेहरू का रिकार्ड तोड़ने का काम किया है। इसके पूर्व बैठक शुभारंभ भारत माता,डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं डीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से संतोष चौरे, नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, मिडिया प्रभारी सचिन शर्मा, राकेश पालीवाल, नरेन्द्र पाटीदार, मनोज साईनाथ, रूपेश यादव, मीडिया प्रभारी सचिन शर्मा के साथ मंडल कार्यसमिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, भोपाल
लिंक रोड न.-2 माता मंदिर चौराहा के समीप, हर्षवर्धन नगर के सामने, भोपाल

Tel:- (0755)2924467, e-mail:-eephbpl@mp.nic.in

क्र. 1469/तक./का.य./ लो.स्वा.य. खंड/ भोपाल/2024-25 दिनांक 09/07/24

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदारों से मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना जारी होने के दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित ई टेंडरिंग पद्धति द्वारा आनलाईन निविदाओं में निहित शर्तों के अनुरूप आमंत्रित की जाती है। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं कार्यों का विवरण वेबसाईट ttis://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखी जा सकती है। वेबसाइट पर होने वाली तकनीकी समस्याओं हेतु विभाग नहीं होगा।

सिस्टम जनरेट आई डी. क्र.	खण्ड	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र की राशि रू.	ठेके की अनु. राशि रू.	अमानत राशि रू.	निविदा आनलाईन क्रय करने की अंतिम तिथि	1. कार्य पूर्ण करने की अवधि 2. ठेकेदार की श्रेणी 3. आमंत्रण
1	2	3	4	5	6	7	8
2024 PHED 356419-1	भोपाल	Out sourcing of Lab Chemist' Computor and Security guard for 12 month to the PHE Sub division Block-Berasia District Bhopal.	2000.00	1055000/-	2100.00	26.07.2024	(1)12 माह वर्षाकाल सहित (2) लो कनिर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पद्धति से पंजीयन अनिवार्य। (3) प्रथम आमंत्रण
2024 PHED 356420-1	भोपाल	Out sourcing of Computor Operator and Security guard for 12 month to the Higher Officer/PHE Division Store Block-phanda District Bhopal	2000.00	1990000/-	39800.00	26.07.2024	(1)12 माह वर्षाकाल सहित (2) लो कनिर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पद्धति से पंजीयन अनिवार्य। (3) प्रथम आमंत्रण

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जाएगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा। G-13451/24

कार्यपालन यंत्री
लो.स्वा.यां. खण्ड, भोपाल

सर्बिया के जोकोविच को मात दी, पहले भी उन्हें हरा चुके हैं

स्पेन के अल्कारेज़ ने लगातार दूसरी बार जीता विंबलडन

लंदन. एजेंसी

स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने लगातार दूसरी बार विंबलडन का खिताब जीत लिया है। लंदन के सेंटर कोर्ट में रविवार को हुए फाइनल में उन्होंने 24 ग्रैंड स्लैम जीत चुके सर्बिया के नोवाक जोकोविच को हराया। सेंटर कोर्ट में 2 घंटे 27 मिनट तक चले इस मैच में अल्कारेज ने जोकोविच को सीधे सेटों में 6-2, 6-2, 7-6 से हराया। अल्कारेज ने 2023 में भी विंबलडन खिताब जीता था। यहां भी फाइनल में उनके सामने नोवाक जोकोविच ही थे। मैच के बाद चैंपियन अल्कारेज ने हंसते हुए कहा, मैंने अपना काम पहले ही कर दिया है। रनर-अप जोकोविच ने कहा, हर दिन मेरे चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए सभी का धन्यवाद।

अल्कारेज ने में पहला ग्रैंड स्लैम जीता, वर्ल्ड नंबर-1 बने

2022 अल्कारेज का साल रहा। वह ऑस्ट्रेलिया ओपन में पहली बार 31वीं वरीयता लेकर उतरे। वह तीसरे ही राउंड में हार गए, लेकिन मियामी, मैड्रिड, रियो और कोंडे गोडो ओपन मिलाकर चार खिताब जीते। इसी साल ओपन फाइनल में उन्होंने वर्ल्ड नंबर-5 कास्पर रूड को 4-6, 6-2, 7-6, 6-3 के अंतर से हराया और अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीता। साल का अंत उन्होंने वर्ल्ड नंबर-वन बन किया और 2023 में इसी फॉर्म को जारी रख विंबलडन फाइनल जीता। अल्कारेज ने इस साल एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर फ्रेंच ओपन का टाइटल जीता था। विंबलडन 2024 में विमेंस सिंगल्स का खिताब चेक गणराज्य की स्टार टेनिस खिलाड़ी बारबोरा क्रेजिकोवा ने जीता।

जोकोविच 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले खिलाड़ी

सर्बिया के जोकोविच 10वीं बार विंबलडन के फाइनल में पहुंचे हैं। जोकोविच ओपन एरा में 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले खिलाड़ी हैं। जोकोविच इससे पहले सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने के मामले में सेरेना विलियम्स की बराबरी पर थे। मार्गरेट कोर्ट भी कुल 24 ग्रैंड स्लैम जीती हैं, लेकिन उनमें से 13 टाइटल ओपन एरा से पहले अपने नाम की थीं। टेनिस में 1968 में ओपन एरा की शुरुआत हुई जब सभी खिलाड़ियों को चारों ग्रैंड स्लैम में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई। इसे ओपन एरा कहा जाता है।

कौन हैं अल्कारेज?

कार्लोस का जन्म 5 मई 2003 को स्पेन में हुआ। कार्लोस ने 4 साल की उम्र में ही टेनिस खेलना शुरू कर दिया था। इसकी प्रेरणा उन्हें अपने पिता कार्लोस अल्कारेज गोंजालेज से मिली जिनकी गिनती स्पेन के टॉप-40 टेनिस खिलाड़ियों में होती थी। अल्कारेज के कोच शीर्ष वरीयता प्राप्त पूर्व खिलाड़ी जुआन कार्लोस फेरेरो हैं। उनके मार्गदर्शन में ही कार्लोस ने 15 साल की उम्र में प्रोफेशनल टेनिस खेलना शुरू कर दिया। अल्कारेज टेनिस इतिहास के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जो अपने डेब्यू ग्रैंड स्लैम के पहले राउंड में नहीं हारे।

इंग्लैंड को 2-1 से हराया; इंग्लिश टीम लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट का फाइनल हारी

यूरो कप 2024 जीता स्पेन

नईदिल्ली, एजेंसी

स्पेन ने रिकॉर्ड चौथी बार यूरो कप फुटबॉल का खिताब जीत लिया है। बर्लिन के ओलंपिया स्टेडियम में रविवार देर रात खेले गए फाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। स्पेन सबसे ज्यादा चार बार यूरो कप का टाइटल जीतने वाली टीम बन गई है। 90 मिनट के मुकाबले में स्पेन के लिए निको विलियम्स (47वें मिनट) और सब्स्टिट्यूट प्लेयर मिकेल ओयारजाबल ने (86वें मिनट) गोल किए। वहीं, इंग्लैंड के लिए इकलौता गोल कोल पामर (73वें मिनट) ने किया। इंग्लैंड की यूरो कप में फाइनल में लगातार दूसरी हार है। इससे पहले 2020 में अपनी मेजबानी में खेले गए यूरो कप के फाइनल में उसे इटली से हार का सामना करना पड़ा था।

इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में नीदरलैंड को हराया

स्पेन 12 साल बाद यूरो कप के फाइनल में पहुंचा था। यूरो कप 2024 के खेले पहले सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-1 से हराकर खिताबी मुकाबले में पहुंचा था। इंग्लैंड ने जर्मनी के डॉर्टमंड के स्टेडियम में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में नीदरलैंड को 2-1 से हराया और लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा था। यूरो कप 2024 में कुल 24 टीमों ने हिस्सा लिया, जिनको 4-4 के छह अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया। इनमें से ग्रुप स्टेज के मुकाबले खत्म होने के बाद सभी ग्रुप की टॉप-2 टीमें राउंड-16 के लिए क्वालिफाई की गई थीं। राउंड ऑफ-16 खत्म होने के बाद प्री-क्वार्टर फाइनल, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला खेला गया।

1960 में खेला यूरो कप का पहला एडिशन, 4 टीमों ने लिया था हिस्सा

यूरो 2024, यूरोपीय चैम्पियनशिप का 17वां एडिशन है। जिसमें यूरोप की टॉप-24 टीमें हिस्सा ले रही है। यूरो कप का पहला एडिशन 1960 में खेला गया था। हर चार साल पर इसका आयोजन होता है। पहला एडिशन फ्रांस में खेला गया था। पूर्व सोवियत संघ ने फाइनल में यूगोस्लाविया को हरा कर खिताब पर कब्जा जमाया था। 1960 से 1976 तक चार टीमें खेलती थीं। वहीं 1980 तक फाइनल के साथ ही तीसरे प्लेस के भी मैच होते थे। 1980 में टीमों की संख्या बढ़ाकर 4 से 8 कर दी गई।

नवंबर में आयोजित होगी विश्व शतरंज चैंपियनशिप

गुकेश और प्रज्ञानंद भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे

पेरिस, एजेंसी

डी. गुकेश और आर. प्रज्ञानंदधा उल्लेखनीय भारतीय नाम हैं जो सितम्बर में हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित होने वाले आगामी शतरंज ओलंपियाड में भाग लेंगे। गुकेश, जो नवंबर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप में चीन के गत विश्व चैंपियन डिंग लीरेन को चुनौती देंगे , इस प्रतियोगिता को खिताबी मुकाबले से पहले की रिहर्सल के रूप में लेंगे।

18 वर्षीय इस खिलाड़ी का इस वर्ष शानदार प्रदर्शन रहा है, उन्होंने अप्रैल माह के शुरू में टोरंटो में प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स प्रतियोगिता जीती थी व विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में भाग लेने वाले सबसे कम उम्र

के खिलाड़ी बने थे। पीटीआई को टीमों की पुष्टि करते हुए एआईसीएफ अध्यक्ष नितिन नारंग ने बताया कि टीम में अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती और हरिकृष्ण पेंटाला भी शामिल हैं। महिला टीम में हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली रमेशबाबू, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और तानिया सचदेव शामिल हैं। महिलाओं की ओर से उल्लेखनीय चूकों में से एक ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी हैं, अज्ञात कारणों से, जिन्होंने 2022 में कांस्य पदक जीता था। इस बीच, नारंग ने यह भी पुष्टि की कि प्री-इवेंट शिविर आयोजित करने के लिए कोचों के साथ चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा, शिविर अगस्त के अंत में आयोजित किया जाएगा। स्थान और तिथि जल्द ही तय कर दी जाएगी। भारत ने 2022 में पहली बार ओलंपियाड के पिछले संस्करण की मेजबानी की थी, जहां ओपन और महिला दोनों श्रेणियों में कांस्य पदक जीता था।

पूर्व हॉकी कप्तान मनप्रीत बोले...

यह मेरा चौथा व संभवतः अंतिम ओलंपिक होगा

बेंगलूरु, एजेंसी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व कप्तान मनप्रीत सिंह का संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन वह अच्छी तरह जानते हैं कि पेरिस उनका चौथा और आखिरी ओलंपिक होगा। उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं चार ओलंपिक में खेलूंगा। ओलंपिक खेलना और पदक जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि यह मेरा चौथा ओलंपिक है। मैं इस सोच के साथ पेरिस जा रहा हूं कि यह मेरा आखिरी ओलंपिक है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। मैंने अभी तक खेल छोड़ने के बारे में नहीं सोचा है।

नए कोच गौतम गंभीर ने की डिमांड

कोचिंग स्टाफ में शामिल हो सकते हैं नीदरलैंड्स के रेयान

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत और श्रीलंका के बीच इस महीने के अंत में होने वाली तीन टी-20 और इतने ही वनडे मैचों की सीरीज का कार्यक्रम घोषित हो गया है। श्रीलंका दौरे का आगाज टी-20 सीरीज से होगा। वनडे सीरीज 01 अगस्त से होगी। भारतीय टीम 26 और 27 जुलाई को लगातार दो दिन श्रीलंका के खिलाफ टी-20 खेलेगा, जबकि अंतिम मैच 29 जुलाई को खेला जाएगा। वनडे मैच 01, 04 और 7 अगस्त को खेले जाएंगे। गंभीर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और इसमें वह रेयान की प्रशंसा करते हुए दिख रहे हैं। गंभीर ने कहा, जब निस्वार्थ भावना की बात आती है तो मैंने अपने करियर में रेयान जैसा इंसान नहीं देखा। वह एक टीम मैन हैं और कभी खुद के बारे में नहीं सोचते। वे ऐसे इंसान हैं, जिनके लिए मैं गोली भी खा सकता हूं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

आमिर के बेटे जुनैद का बयान, नहीं मानते पिता को परिवार का सबसे बेहतरीन कलाकार

बॉलीवड सुपरस्टार आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने हाल में ही फिल्मी दुनिया में कदम रखा है। उन्होंने बतौर अभिनेता फिल्म महाराज से डेब्यू किया है। दिग्गज ओटीटी प्लैटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म में जयदीप अहलावत और शरवरी वाघ भी नजर आए हैं। इस फिल्म के लिए जुनैद खान की काफी सराहना भी की गई है। जुनैद को ये गुण अपने पिता से विरासत में मिला है, जो खुद एक शानदार अभिनेता हैं। हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान जुनैद ने बताया कि वो अपने परिवार में सबसे बड़ा कलाकार किसे मानते हैं।

किरण राव को बताया आमिर से बेहतर कलाकार: एक इंटरव्यू के दौरान जुनैद खान ने अपने परिवार के सबसे बड़े कलाकार के बारे में बात की। उन्होंने इस दौरान अपने पिता की पूर्व पत्नी किरण राव को आमिर से बेहतर कलाकार बताया है। महाराज अभिनेता ने किरण के अभिनय कौशल की काफी तारीफ की। इस दौरान उन्होंने फिल्म लाल सिंह चड्ढा का जिक्र करते हुए कहा कि इसके ऑडिशन के दौरान किरण ने उनकी मां की भूमिका निभाई थी। एक तरह से दोनों ने इस ऑडिशन के दौरान एक साथ काम किया था।

छोटी बातों को बड़ा बना देते हैं पापा: एक इंटरव्यू के दौरान आमिर ने कहा था कि जुनैद उन्हें कार नहीं खरीदने देते, क्योंकि वह कार की बजाय सार्वजनिक वाहनों का इस्तेमाल करना ज्यादा पसंद करते हैं। इस बारे में पूछे जाने पर जुनैद ने जवाब देते हुए कहा, पापा छोटी-छोटी बातों को बड़ा मुद्दा बना देते हैं। उन्होंने साफ करते हुए कहा कि वह बस सबसे बेहतर और उपयोगी तरीके से यात्रा करना पसंद करते हैं। उनके लिए रिक्शा से घूमना ज्यादा आसान है, क्योंकि इससे पार्किंग की चिंता नहीं करनी पड़ती। बात करें जुनैद के वर्क फ्रंट की, तो हाल में ही उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री साई पल्लवी के साथ अपनी दूसरी फिल्म की शूटिंग पूरी की है। इस फिल्म को आमिर खान की प्रोडक्शन कंपनी बना रही है।

मेट्रो बाजार

1.25 लाख के पार जा सकती है चांदी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की डिमांड

सोने के बाजार भाव से प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे बॉन्ड

मुंबई, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों मे बढ़ोतरी का सिलसिला अभी थमने की उम्मीद नहीं है। यही वजह है कि शेयर बाजार में हमेशा डिस्काउंट पर ट्रेड होने वाला सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसबीजी) अभी सोने के बाजार भाव से 9 फीसदी प्रीमियम यानी अधिक कीमत पर ट्रेड कर रहा है। एनएसई से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, सभी 64 गोल्ड बॉन्ड फिलहाल प्रीमियम पर यानी आइबीजेए की ओर से जारी सोने के मार्केट प्राइस 72,560 रुपए प्रति 10 ग्राम से ऊपर ट्रेड कर रहे हैं। ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने आने वाले समय में चांदी की कीमतों में और बढ़ोतरी होने की उम्मीद जताई है। ब्रोकरेज फर्म ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आने वाले में समय में चांदी की कीमतें 1,25,000 रुपए प्रति किलो तक जा सकती हैं। वर्ष 2024 में अब तक चांदी के भाव में 30 फीसदी से ज्यादा की बढ़त देखने को मिली है। विशेषज्ञों का कहना है कि कीमतें और बढ़ेंगी।

सबसे ज्यादा प्रीमियम पर यह एसजीबी: सबसे ज्यादा प्रीमियम पर वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी सीरीज यानी 67वां गोल्ड बॉन्ड सीरीज ट्रेड कर रहा है। यह गोल्ड के 72,560 के मार्केट प्राइस के मुकाबले 79,338 रुपए प्रति 10 यूनिट पर ट्रेड कर रहा है। यह 21 फरवरी को 62,630 रुपए पर जारी हुआ था। लंबी अवधि की मैच्योरिटी वाले सभी गोल्ड बॉन्ड प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं।

गिरावट में खरीदने की सलाह: मोतीलाल ओसवाल ने कहा, मुनाफावसूली के चलते चांदी के भाव में आने वाली गिरावट का इस्तेमाल खरीदारी के लिए किया जा सकता है। 86,000-86,500 रुपए पर चांदी को सपोर्ट मिल सकता है। ब्रोकरेज फर्म ने 12-15 महीने की अवधि के लिए घरेलू बाजार में चांदी के टारगेट प्राइस को बढ़ाकर 1,25,000 रुपए और कॉमेक्स पर 40 डॉलर कर दिया है। जानकारों के अनुसार फरवरी के बाद से गोल्ड बॉन्ड की कोई भी सीरीज लॉन्च नहीं हुई है।

रणवीर सिंह-वीर पहाड़िया ने किया नागिन डांस

रील लाइफ हो या रियल, दोनों में ही रणवीर सिंह का डांस देखने लायक होता है। रणवीर को अक्सर जोरदार ढंग से नाचते हुए देखा जाता है। हाल ही में हुई अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में रणवीर सिंह को फिर से नाचने का मौका मिला तो वो बिल्कुल नहीं चूके। उनके डांस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रणवीर सिंह और वीर पहाड़िया का साथ में डांस करते हुए का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वीर को जमीन पर लेटकर और रणवीर सिंह को नागिन डांस करते हुए देखा जा सकता है। दोनों पूरे मजे से नाच रहे हैं और खूब आनंद ले रहे हैं।

यूजर्स ने किए मजेदार कमेंट: किसी कलाकार की कोई वीडियो वायरल हो और सोशल मीडिया यूजर्स उस पर कमेंट ना करें, ऐसा होता ही नहीं है। इस वीडियो पर भी यूजर्स की मजेदार टिप्पणियां पढ़ने को मिली। एक यूजर ने लिखा कि जान्हवी कपूर के देवर को कुछ ज्यादा ही पैसे दिए गए हैं। वे लोग जो इस कमेंट का संदर्भ नहीं जान पाए उन्हें बता दें कि इन दिनों बी-टाउन में जान्हवी कपूर के वीर पहाड़िया के बड़े भाई शिखर पहाड़िया को डेट करने की चर्चाएं जोरों पर चल रही है। एक यूजर ने लिखा कि रणवीर को नागमणि चाहिए क्या? इतना उछल रहा है। वहीं, एक दूसरे यूजर ने लिखा कि एक घड़ी के लिए क्या-क्या करना पड़ रहा है।

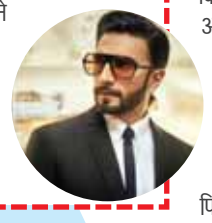

'मेरे महबूब मेरे सनम' के रीमेक पर भड़के लोग, बोले- पुराने गाने खराब मत करो

विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की नई फिल्म बैड न्यूज के अब तीन गाने रिलीज हो चुके हैं। तीसरा गाना मेरे महबूब मेरे सनम रिलीज हुआ है। लोगों ने पहले दो गाने- तौबा तौबा और जानम को खूब पसंद किया, लेकिन तीसरा गाने के रिलीज होते ही आलोचना शुरू हो गई है। मेरे महबूब मेरे सनम शाहरुख खान, जूही चावला और सोनाली बेंद्रे की फिल्म डुप्लीकेट के इसी नाम के गाने का रीमेक है। ऑरिजनल गाना हिट साबित हुआ था और लोग आज भी उस गाने को सुनते हैं, लेकिन इसके रीमेक को लोग पचा नहीं पा रहे हैं और सोशल मीडिया पर इसकी कड़े शब्दों में आलोचना कर रहे हैं। तृप्ति डिमरी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर मेरे महबूब मेरे सनम गाने की वीडियो साझा की है। आप इस पोस्ट के कमेंट बॉक्स में झांकेंगे तो पाएंगे कि लोगों को यह गाना पसंद नहीं आ रहा है। एक यूजर ने साफ-साफ शब्दों में लिखा कि गाने को बहुत अच्छे से खराब किया गया है। दूसरे यूजर ने लिखा कि एक और क्लासिक गाना खराब हो गया। तीसरे यूजर ने लिखा कि ये नए गाने क्यों नहीं बना सकते। एक अन्य यूजर ने लिखा कि पुराने गानों करो खराब मत करो। खुद के नए गाने बनाओ। बैड न्यूज में विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी के अलावा पंजाबी गायक और अभिनेता एमी विर्क ने भी अहम किरदार निभाया हैं। यह एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन आनंद तिवारी ने किया है। फिल्म को सेंसर बोर्ड द्वारा यू/ए सर्टिफिकेट दिया गया है। यह 2 घंटे और 22 मिनट लंबी फिल्म है, जिसे 19 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। बैड न्यूज की कहानी हेटेरोपैटरनल सुपरफेकंडेशन कंडीशन पर आधारित है। यह प्रजनन की एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें एक ही मां से जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं, लेकिन अलग-अलग पिताओं से। इस कहानी को तरुण डुडेजा और इशिता मोइत्रा ने लिखा है।

तैयारी: अब नहीं बिकेंगी सरकारी कंपनियां!

नईदिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार अब सरकारी कंपनियों को निजी कंपनियों व उद्योगपतियों के हाथों बेचने (प्राइवेटाइजोशन) की बजाय उनकी मुनाफा सुधारने और उससे राजस्व कमाने पर जो दे सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केंद्र सरकार अब प्राइवेटाइजेशन प्रोग्राम को ठंडे बस्ते में डालने की तैयारी कर रही है। मोदी सरकार ने सरकारी कंपनियों के निजीकरण के लिए महत्वाकांक्षी योजना बनाई थी। माना जा रहा था कि तीसरी बार सरकार बनने पर इसे तेजी से आगे बढ़ाया जा सकता है। लेकिन अब सरकार ने इस योजना से पीछे हटने का संकेत दिया है। रिपोर्ट में सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सरकार 200 से ज्यादा सरकारी कंपनियों का मुनाफा सुधारने की योजना पर काम कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को पेश होने वाले आम बजट में नई योजना की घोषणा कर सकती है। इसमें कंपनियों के पास मौजूद बिना उपयोग वाली जमीन का एक बड़ा हिस्सा बेचना और अन्य एसेट्स का मॉनिटाइजेशन शामिल है। इसका मकसद चालू वित्तीय वर्ष 2024-24 में 24 अरब डॉलर यानी करीब 2 लाख करोड़ रुपए जुटाना और इन्हें फिर से पीएसयू कंपनियों में निवेश करना है। नई योजना के तहत प्रत्येक सरकारी कंपनी के लिए अल्पकालिक लक्ष्यों के बजाय 5 साल का प्रदर्शन और उत्पादन लक्ष्य तय किया जा सकता है। एक अधिकारी ने कहा कि सरकार अंधाधुंध संपत्ति बिक्री से ध्यान हटाकर अब पीएसयू कंपनियों के आंतरिक मूल्य को बढ़ाने पर जोर दे रही है।

दावत में चक्कर खाकर गिरे युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गुनगा थाना क्षेत्र में चक्कर खाकर गिरे एक युवक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डाक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अनुमान है कि उसे अटैक आया है। पुलिस के मुताबिक जावेद खान (46) माता मंदिर थाना कमला नगर में रहते थे. रविवार को वह गुनगा थानांतर्गतग ग्राम बेरखेड़ी स्थित हसीब भाई के फार्म हाउस पर दावत के लिए पहुंचे थे। दोपहर को

अचानक जावेद चक्कर आने बाद गिर गए। साथियों ने उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सब्जी विक्रेता ने घर में फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

परवलिया इलाके में रहने वाले एक अधेड़ व्यक्ति ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस के अनुसार कमलसिंह अहिरवार (55) ग्राम तारासेवनिया में रहते थे। उनके बच्चे सब्जी का व्यवसाय करते हैं। रविवार सुबह बच्चे अपने काम पर चले गए, जबकि कमल

सिंह और उनकी पत्नी घर पर थे। सुबह कमल सिंह गांव में घूमने निकल गए। दोपहर करीब दो बजे वापस लौटे और अपने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया। मृतक के पास सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक पूछताछ में परिजन ने ऐसी कोई जानकारी नहीं दी, जिससे फांसी लगाने के कारणों का पता चल सके।

डायल 100 वाहन को कार ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर स्थित भदभदा बस स्टाप पर सड़क किनारे खड़ी डायल 100 को कार ने पीछे से टक्कर मार दी। पुलिस ने एफआरवी के पायलेट की रिपोर्ट पर टक्कर मारने वाले कार चालक के प्रकरण दर्ज कर लिया है। केवलदास पारया गणेशपुरी कालोनी, कलखेड़ा रोड नीलबढ़ में रहते हैं और कमला नगर थाने की एफआरवी में पायलेट हैं।

13 जुलाई की रात वह हेड कांस्टेबल मुकेश चौहान के साथ एफआरवी से थाना क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। रात करीब तीन बजे उन्होंने भदभदा बस स्टाप के पास सड़क किनारे एफआरवी पार्क की और उतरकर टायलेट करने चले गए। इसी बीच पीछे से आई एक तेज रफ्तार कार ने एफआरवी में टक्कर मार दी। उसके बाद ने कार को रिवर्स लिया और डिपो चौराहे की तरफ भाग निकला।

शराब के लिए 20 रुपए मांगने के विवाद में बुजुर्ग की हत्या, 7 हजार गायब

आरोपी जितेन्द्र अहिरवार ने किया खुलासा, भेजा जेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो। महज 20 रुपए को लेकर हुए विवाद के चलते बैरसिया के मेला ग्राउंड में एक शराबी ने दूसरे शराबी की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। मरने वाला बुजुर्ग शराब के 20 रुपए मांग रहा था। इसी बात को लेकर विवाद हुआ और आरोपी ने लात-घूसों से पीटकर हत्या कर दी। परिजनों का कहना है कि बुजुर्ग वायर खरीदने के लिए सात हजार रुपए लेकर निकला था लेकिन उन सात हजार रुपए का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। बैरसिया पुलिस ने गिरफ्त में आए आरोपी को जेल भेज दिया है। आरोपी शराब व सुलोचन का नशा करने का आदी है।

इस बार आरोपी को देना थे पैसे

आरोपी जितेन्द्र और मूलचंद अक्सर मेला ग्राउंड में बैठकर शराब पीते थे। शराब के पैसे बारी-बारी से देने की बात तय हुई थी। घटना वाले दिन शराब के पैसे जितेन्द्र अहिरवार को देना था। मूलचंद ने उससे शराब के पैसे मांगे तो विवाद होने लगा था। मेला ग्राउंड के आसपास कंजर कच्ची पन्नी वाली शराब पाउच बनाकर अवैध रूप से बेचते हैं।

पुलिस के मुताबिक मूलरूप से ग्राम गड़ाकला नजीराबाद निवासी मूलचंद कुशवाह (54) बाइंडिंग का काम करते थे। काम के सिलसिले में उनका अक्सर बैरसिया और भोपाल आना-जाना होता था। विगत तीन जुलाई को भी वह बाइंडिंग का वायर खरीदने बैरसिया आने का कहकर निकले थे। उनके पास सात हजार रुपए थे। उसी दौरान दोपहर को वह मेला ग्राउंड के पास रहने वाले जितेन्द्र अहिरवार उर्फ सिलोचन (25) के साथ बैठकर शराब पीने लगे। मैदान में और लोग भी शराब पी रहे थे। उसी दौरान पैसों को लेकर हुए विवाद के चलते दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई। इस बीच जितेन्द्र अहिरवार ने मूलचंद के जमीन पर पटक दिया और उसकी नाक व मुंह पर लातें मारने लगा। कुछ ही देर में मूलचंद बेसुध हो गया। उसके मुंह व नाक से अधिक मात्रा में ब्लीडिंग होने लगी थी। हमीदिया अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई थी।

आकाशीय बिजली गिरने से झुलसे व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत

झुग्गी पर गिरी थी बिजली, धमाके से घर का सामान जला, दंपती सहित दो बच्चे आए थे चपेट में

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पिपलानी स्थित सतनामी नगर झुग्गी में छह दिन पहले 8 जुलाई सोमवार सुबह तेज धमाके के साथ बिजली गिरने से दंपती और उनके दो बच्चे चपेट में आ गए थे। सभी का एम्स में इलाज चल रहा था। शनिवार सुबह इलाज के दौरान परिवार के मुखिया की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी समेत बच्चों की स्थिति में सुधार है। अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार 50 साल के शैतान मालवीय सतनामी नगर झुग्गी, पिपलानी में रहते थे। उनके परिवार में चार बच्चे हैं। परिवार मजदूरी कर जीवन यापन करता है। रविवार 7 जुलाई की रात उन्होंने परिवार ने साथ खाना खाया और सो गए थे।

इस समय घर की एक बेटी आदमपुर छावनी में रिश्तेदारी में थी, जबकि दूसरा बच्ची पड़ोस में रिश्तेदारी में थी। सोमवार सुबह परिवार गहरी नींद में था, तभी छह बजे के आसपास तेज धमका हुआ और धरती कांप गई। लोग अपने घर से बाहर निकले तो शैतान मालवीय की झुग्गी पर नजर पड़ी। झुग्गी के ऊपर की चादर हट चुकी थी, जबकि घर के अंदर कुछ सामान जल गया था। लोग झुग्गी के अंदर पहुंचे तो उन्होंने शैतान उनकी पत्नी सविता समेत सोनम और अमन को झुलसी अवस्था में देखा था। इसके बाद वे सभी को एम्स लेकर पहुंचे थे। एम्स में इलाज के दौरान सुबह साढ़े 6 बजे उसकी मौत हो गई।

महामाया मैरिज गार्डन में महिला का सोने का हार चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

महामाया मैरिज गार्डन में शादी में शामिल होने आई महिला का हार चोरी हो गया। उन्हें संदेह है कि किसी करीबी ने ही उनका हार चोरी किया है। उन्होंने घटना की शिकायत मिसरोद पुलिस से की है। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि महेश प्रसाद नामदेव मंडीदीप में रहते हैं। उनकी पत्नी गत 9 जुलाई को महामाया मैरिज गार्डन में शादी में शामिल होने आई थी। उनके साथ उनकी सिवनी मालवा निवासी बहन और सागर निवासी भाभी थी। रात दो बजे तक महेश की पत्नी ने शादी में शामिल रही फिर होटल के कमरे में आकर उन्होंने हार उतारकर बैग में रख दिया। हार उतारने के बाद वह दौबारा कार्यक्रम में पहुंची थी। सुबह कमरे में पहुंचकर उन्होंने बैग खोला तो बैग में रखा हार नहीं था। इसके बाद उन्होंने पति को घटना की जानकारी दी। दंपती ने हार चोरी के बारे में रिश्तेदारों से बातचीत की फिर थाने पहुंचकर शिकायत की।

मोहर्रम में बदली रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

15 जुलाई से बुधवार 17 जुलाई तक मोहर्रम के जुलूस की व्यवस्था के कारण पुराने शहर की ट्रैफिक व्यवस्था शाम 6 बजे से बदली रहेगी। ट्रैफिक पुलिस ने आमजनों से अनुरोध किया है कि वह वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें। पुलिस के मुताबिक भारत टॉकीज, अल्पना तिराहा, नादरा बस स्टैंड भोपाल टॉकिज, शाजहांनाबाद, रॉयल मार्केट, कोहेफिजा तिराहा, करबला आदि स्थानों पर यातायात दबाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस फोर्स लगाया गया है। इन मार्गों पर शाम 6 बजे के बाद यातायात का दबाव ज्यादा रहेगा। ऐसे में मालवाहक, भारी, व्यावसायिक एवं अनुमति प्राप्त वाहनों का आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। शहर के भीतर शाम छह बजे से भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से बंद रहेगा।

यह होंगे वैकल्पिक मार्ग: राजाभोज विमानतल की ओर आवागमन करने वाले वाहन भारत माता चौराहा, भदभदा चौराहा, साक्षी ढाबा तिराहा, नीलबड़ तिराहे से दायें मुड़कर, नाथूबरखेडा रोड़, मुंगालिया छाप, खजूरी सड़क, खजूरी बायपास तिराहा और मुबारकपुर चौराहा होकर आवागमन कर सकेंगे। इसी प्रकार एयरपोर्ट की ओर जाने वाले वाहन प्रभात चौराहा, जेके रोड, रत्नागिरी अयोध्या बायपास मार्ग, भानपुर, करौंद चौराहा, नईजेल, गांधीनगर तिराहा होकर आवागमन कर सकेंगे। नए शहर से रेलवे स्टेशन जाने वाले वाहन प्रभात चौराहा, परिहार चौराहा, अस्सी फीट रोड अशोका गार्डन मार्ग का उपयोग कर सकेंगे।

भोपाल। राजधानी के अल्पना तिराहे पर ईरानी समाज का मातमी जुलूस निकाला गया।

चौथी मंजिल की बालकनी से गिरकर बुजुर्ग महिला की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित सहयाद्रि परिसर में चौथी मंजिल की बालकनी से गिरकर बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। घटना कल रविवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे की है। वह बालकनी में खड़ी थी, तभी अचानक नीचे गिर गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। एएसआई शेषराम सहारे ने बताया कि 73 साल की भूपेंद्र कौर सहयाद्रि परिसर, कमला नगर में रहती थी। उनके परिवार में पति के अलावा बेटा और बेटी है। बेटा कनाडा में जॉब करता है। परिजन ने बताया कि रविवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे भूपेंद्र कौर चौथी मंजिल पर स्थित अपने फ्लैट की बालकनी में खड़ी थी और नीचे देख रही थी, तभी अचानक नीचे गिर गई। परिजन उन्हें हजेला अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अज्ञात महिला की लाश बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

छोला मंदिर पुलिस ने रविवार की सुबह भानपुर मंदिर के पीछे एक अज्ञात महिला की लाश बरामद की। मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए मचुर्री में रखवा दिया है। शव मिलने की सूचना और हुलिए की जानकारी सभी थानों को भेज दी गई है। पुलिस उक्त हुलिए की गुमी हुई महिलाओं की जानकारी भी जुटा रही है। महिला की पहचान और पीएम होने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

मेट्रो एंकर | बावड़िया खुर्द गांव का मामला

दूध निकालते समय गाय की रस्सी गले में फंसी, अधेड़ की हो गई मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित बावड़िया खुर्द गांव में गाय का दूध निकालते समय एक अधेड़ रस्सी में उलझ गया। रस्सी का फंदा गले में फंसने के बाद गाय के भागते समय वह कुछ दूर घिसटा था। इस हादसे में उसे गंभीर चोट आईइथी। बेटा उन्हें प्राइवेट अस्पताल लेकर पहुंचा, वहां से हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था। रविवार शाम करीब 21 दिन बाद अधेड़ की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार बलराम गुर्जुर पिता गोरेलाल गुर्जर (50) बावड़िया खुर्द, बिलखिरिया में रहता था।

गत 23 जून की शाम वह घर में गाय का दूध निकाल रहा था। इस दौरान उसने गाय के गले में रस्सी लिपटी हुई थी और बछड़ा भी पास ही बंधा हुआ था। बलराम ने रस्सी खोली और कसकर पकड़ ली थी। रस्सी खुलते ही गाय बछड़े की तरफ भागी और उसकी रस्सी बलराम के गले में लिपट गई। इस हादसे में बलराम कुछ दूर घिसटा भी था, जिससे उसकी पीठ में चोट आई है।

बेटा लेकर पहुंचा अस्पताल

घटना के समय कुछ दूरी पर ट्रैक्टर में बलराम का बेटा बैठा था। उसने पिता को रस्सी में लिपटा देखा और रस्सी खोलकर वह पिता को लेकर अस्पताल ले गया था। अस्पताल में 23 जून की शाम से ही बलराम का इलाज चल रहा था और रविवार शाम उसकी मौत हो गई।

शादी गार्डन की पार्किंग से बाइक चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर स्थित एक शादी गार्डन की पार्किंग से बुजुर्ग व्यक्ति की बाइक चोरी चली गई। वह अपने नाते के शादी समारोह में शामिल होने के लिए गार्डन पहुंचे थे। पुलिस के मुताबिक अशोक कुमार दुबे (70) सी-सेक्टर शाहपुरा स्थित महाकाल शिवमंदिर परिसर में रहते हैं और मंदिर में पूजापाठ का काम करते हैं। गुरुवार को उनके नाती की शादी थी। कार्यक्रम का आयोजन खुशीलाल पहाड़ी कमला नगर स्थित हिल्स व्यू मैरिज गार्डन में किया गया था. अशोक कुमार ने शाम करीब चार बजे अपनी बाइक मैरिज गार्डन की पार्किंग में खड़ी की थी। रात करीब तीन बजे देखा तो उनकी बाइक चोरी हो चुकी थी। इधर, बागसेवनिया थानांतर्गत एम्स अस्तपाल के गेट नंबर दो के सामने से कीर्ति कुमार पाठक, बीडीए कालोनी सलैया मिसरोद से महेश मसानी, सईदिया स्कूल रोड तलैया से मोहम्मद सादाब, इस्लामी गेट शाहजहांनाबाद से आहतउल्ला खान, मनुआभान की टेकरी कोहेफिजा से रामबाबू, गेहूंखेड़ा नहर के पास कोलार से प्रताप सिंह और बृज कालोनी करोंद से मनीष तिवारी की मोटर सायकिल चोरी चली गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

एक साथ 4 दोपहिया वाहन चोरी: अवधपुरी इलाके में बदमाश एक साथ 4 दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए। पुलिस के मुताबिक बीडीए कालोनी में रहने वाले लोग अपने दोपहिया वाहन घरों के सामने खड़े करते हैं। शुक्रवार को चार परिवारों ने अपने वाहनों को बाहर खड़ा किया था। शनिवार की सुबह देखा तो चारों लोगों के वाहन नहीं थे। आसपास तलाश करने के बाद भी जब दोपहिया वाहनों का कुछ पता नहीं चला तो रात को थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अर्जुन भगत की रिपोर्ट पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि जिस इलाके में वारदात हुई, वहां एक भी सीसीटीवी कैमरा नहीं है। अब पुलिस आसपास के इलाके में लगे कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। इधर टीटी नगर इलाके से सैयद असरफ अली की स्कूटर और मिसरोद इलाके रचित राजपूत की बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022